दैनिक
मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
RNI. No. 69062/94
निष्पक्ष एवं निर्भीक विचारों का समाचार पत्र

प्रभात परिक्रमा

वर्ष: 31 | अंक: 228 | भोपाल, सोमवार 31 अगस्त 2026 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 1 रुपए

आवश्यकता है
दैनिक प्रभात परिक्रमा समाचार पत्र को प्रदेश के सभी जिलों एवं तहसील स्तर पर संवाददाता एवं एजेंटों की आवश्यकता है
: संपर्क :
9425023929

रूस के ड्रोन हमले के बाद हथियार डिपो में भीषण धमाके

37 की मौत; 130 घर क्षतिग्रस्त

रूस का दावा है कि यहां लंबी दूरी तक उड़ान भरने वाले एफपी-1 और एफपी-2 ड्रोन के पुर्जे और उन्हें लॉन्च करने वाले बूस्टर रखे गए थे। घरों से महज 200 मीटर दूर था हथियार डिपो हादसे के बाद रिहायशी इलाके में तबाही का मंजर देखने को मिला।

कीव। यूक्रेन की राजधानी कीव के पास रूसी ड्रोन हमले के बाद एक हथियार डिपो में रखे गोला-बारूद, बारूदी सुरंगों और ड्रोन में लगातार धमाके होने से बड़ा हादसा हो गया। घटना में कम से कम 37 लोगों की मौत और 42 लोग घायल हुए हैं। घायलों में चार बच्चे भी शामिल हैं। धमाकों की चपेट में आसपास का रिहायशी इलाका भी आया और करीब 130 घरों को नुकसान पहुंचा। रूस के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, उसकी सेना ने कीव के पश्चिम में स्थित मिला गांव में हथियार डिपो को निशाना बनाया था। रूस का दावा है कि यहां लंबी दूरी तक उड़ान भरने वाले एफपी-1 और एफपी-2 ड्रोन के पुर्जे और उन्हें लॉन्च करने वाले बूस्टर रखे गए थे। घरों से महज 200 मीटर दूर था हथियार डिपो हादसे के बाद रिहायशी इलाके में तबाही का मंजर देखने को मिला। स्थानीय निवासी ल्यूबोव पावलेंको का घर हथियार डिपो से करीब 200 मीटर की दूरी पर है। उन्होंने बताया कि धमाकों से घर की बाहरी दीवारों में दरारें आ गईं और खिड़कियों के आसपास भी नुकसान हुआ। शुक्रवार देर रात हुए हमले के बाद शनिवार को भी घटनास्थल पर राहत और बचाव अभियान जारी रहा। दमकलकर्मी आग बुझाने और मलबे में संभावित पीड़ितों की तलाश में जुटे रहे। रिहायशी इलाके के पास नहीं होना चाहिए था डिपो यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने हथियार डिपो को रिहायशी क्षेत्र के इतने करीब रखने के फैसले पर सवाल उठाए हैं।

लगातार हवाई हमलों से एयर डिफेंस पर दबाव

रूस पिछले कई दिनों से कीव और आसपास के इलाकों पर लगातार ड्रोन हमले कर रहा है। इसके चलते यूक्रेन की एयर डिफेंस व्यवस्था पर दबाव बढ़ रहा है। यूक्रेन के पास पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों की कमी भी चिंता का विषय बनी हुई है। यूक्रेन को आशंका है कि लगातार ड्रोन हमलों के जरिए रूस उसकी एयर डिफेंस क्षमताओं को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है, जिससे भविष्य में बड़े बैलिस्टिक मिसाइल हमले का रास्ता आसान हो सके।

दोनों तरफ से बढ़े हवाई हमले

रूस-यूक्रेन युद्ध के पांचवें वर्ष में दोनों देशों ने हवाई हमले तेज कर दिए हैं। यूक्रेन भी अब रूस के आर्थिक और सैन्य महत्व वाले ठिकानों को निशाना बना रहा है। रूसी अधिकारियों के अनुसार, बेलगोरोद और रोस्तोव क्षेत्रों में यूक्रेनी हमलों में पिछले 24 घंटों में दो लोगों की मौत और 25 लोग घायल हुए हैं। इस बीच, रूस के कब्जे वाले यूक्रेनी क्षेत्र जापोरिज्जिया में एक शॉपिंग सेंटर पर हुए यूक्रेनी हमले में चार लोगों के घायल होने की भी जानकारी सामने आई है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर महिला तस्कर गिरफ्तार

25 करोड़ का सोना जब्त

कोलकाता। बीएसएफ ने पश्चिम बंगाल के नदिया में भारत-बांग्लादेश बॉर्डर पर एक बार फिर सोने की तस्करी की बड़ी कोशिश नाकाम कर दी है। एक गुप्त सूचना के आधार पर, बीएसएफ की 32वीं बटालियन के जवानों ने बनपुर बॉर्डर इलाके में ऑपरेशन चलाया और एक महिला को हिरासत में लिया। बीएसएफ सूत्रों के मुताबिक, लंबे समय तक नजर रखने के बाद, संदिग्ध गतिविधि दिखने पर महिला को हिरासत में लिया गया। तलाशी लेने पर उसके पास से कुल 15 किलो 607 ग्राम सोना बरामद हुआ। बीएसएफ का दावा है कि जब्त किए गए सोने की अनुमानित बाजार कीमत 24 करोड़ 95 लाख 56 हजार है। बीएसएफ अधिकारी तस्करी की घटना के बारे में महिला से पूछताछ कर रहे हैं। जांचकर्ता यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि इस रैकेट में और कौन-कौन शामिल है, सोना कहाँ से लाया गया था और इसे कहां तस्करी करके ले जाया जाना था। बीएसएफ ने तस्करी रोकने के लिए बॉर्डर पर निगरानी बढ़ा दी है। जांचकताओं का मानना है कि सोने की इतनी बड़ी बरामदगी से तस्करी करने वाले एक बड़े और सक्रिय गिरोह का पता चल सकता है, इसीलिए महिला से पूछताछ की जा रही है।

भारत-उज्बेकिस्तान संबंधों को नई उड़ान

5 अरब डॉलर व्यापार का लक्ष्य, रक्षा, एआई, ऊर्जा में बढ़ेगा सहयोग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उज्बेकिस्तान मध्य एशिया के केंद्र में है और इस क्षेत्र के साथ भारत की भागीदारी के केंद्र में है। उन्होंने उल्लेख किया कि 2026 में भारत-उज्बेकिस्तान रणनीतिक साझेदारी के 15 वर्ष पूरे हो जाएंगे।

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान ने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि इस साझेदारी के तहत 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार में 5 अरब डॉलर का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उज्बेकिस्तान के राष्ट्रपति शावकत मिर्जियोयेव के साथ एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों की आकांक्षाएं एक जैसी हैं और वे व्यापार, प्रौद्योगिकी, रक्षा, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और अन्य रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग का विस्तार करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उज्बेकिस्तान मध्य एशिया के केंद्र में है और इस क्षेत्र के साथ भारत की भागीदारी के केंद्र में है। उन्होंने उल्लेख किया कि 2026 में भारत-उज्बेकिस्तान रणनीतिक साझेदारी के 15 वर्ष पूरे हो जाएंगे। मोदी ने कहा कि दोनों देश अब अपने संबंधों को एक व्यापक और अधिक महत्वाकांक्षी ढांचा देने की दिशा में काम कर रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान की सोच और आकांक्षाओं में गहरी समानताएं हैं। युवा, नवाचार, समावेशी विकास और आधुनिक प्रौद्योगिकी, यंग उज्बेकिस्तान और डेवलप्ड इंडिया 2047 दोनों के मूल सिद्धांतों में निहित हैं। इसी साझा दृष्टिकोण का अनुसरण करते हुए, हम दोनों देशों के लोगों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। इस वर्ष हमारी रणनीतिक साझेदारी के 15 वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस विशेष अवसर पर, हमने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया है। उन्होंने आगे कहा कि हमारा द्विपक्षीय व्यापार 1 अरब डॉलर से ज्यादा हो गया है। अब हमने 2030 तक 5 अरब डॉलर के व्यापार का लक्ष्य निर्धारित किया है।

भारत और उज्बेकिस्तान आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच प्रत्यक्ष संपर्क, सह-उत्पादन और सह-विकास के माध्यम से रक्षा और सुरक्षा सहयोग का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारे दोनों देशों के बीच घनिष्ठ रक्षा एवं सुरक्षा सहयोग हमारे गहरे आपसी विश्वास को दशार्ता है। भविष्य में हम दोनों देशों के रक्षा उद्योगों के बीच प्रत्यक्ष संपर्क, सह-उत्पादन और सह-विकास को बढ़ावा देंगे। मोदी ने कहा कि भारत और उज्बेकिस्तान आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि हमारा मानना है कि आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद पूरे क्षेत्र के लिए गंभीर चुनौतियां पेश करते हैं। इन खतरों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति बनाए रखना हमारा साझा संकल्प रहा है और आगे भी रहेगा। प्रधानमंत्री ने कृषि, स्वास्थ्य सेवा और पारंपरिक चिकित्सा में सहयोग पर भी जोर दिया और कहा कि दोनों देशों की ताकतें एक-दूसरे की पूरक हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि उज्बेकिस्तान के बागवानी के अनुभव और भारत की आधुनिक कृषि पद्धतियों को मिलाकर हम दोनों देशों की खाद्य सुरक्षा में योगदान देंगे। उज्बेकिस्तान की औषधीय जड़ी-बूटियां और भारत की आयुर्वेद विशेषज्ञता एक स्वाभाविक संयोजन है।

पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई की नई डिजिटल साजिश

आतंकी पोर्न वेबसाइट्स पर कर रहे सीक्रेट चैटिंग

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में आतंकी नेटवर्क द्वारा सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी से बचने के लिए इंटरनेट के अलग-अलग माध्यमों का इस्तेमाल किए जाने का मामला सामने आया है। सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक, पाकिस्तान में बैठे आतंकी हैंडलर्स कथित तौर पर पोर्नोग्राफी वेबसाइट्स के रियल-टाइम चैट फीचर का इस्तेमाल घाटी में मौजूद संपर्कों तक संदेश पहुंचाने के लिए कर रहे हैं। अधिकारियों का कहना है कि सामान्य सोशल मीडिया और मैसेजिंग प्लेटफॉर्म पर निगरानी बढ़ने के बाद आतंकी नेटवर्क संचार के ऐसे माध्यम तलाश रहा है, जिनसे उनकी गतिविधियों और पहचान का पता लगाना मुश्किल हो। सुरक्षा एजेंसियों के अनुसार, कुछ पोर्नोग्राफी प्लेटफॉर्म पर मौजूद रियल-टाइम चैट टूल का मूल उद्देश्य यूजर्स को आपस में जोड़ना होता है। कथित तौर पर आतंकी हैंडलर्स इसी सुविधा का दुरुपयोग कर अपने संपर्कों तक संदेश पहुंचा रहे हैं। एजेंसियों की जांच में यह भी सामने आया है कि कुछ संदिग्ध नेटवर्क एन्क्रिप्टेड और गुमनाम संचार माध्यमों पर निर्भर हैं। इससे संदेश भेजने वाले और प्राप्त करने वाले की पहचान का पता लगाना सुरक्षा एजेंसियों के लिए चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

टोर आधारित प्लेटफॉर्म भी जांच के घेरे में

सुरक्षा एजेंसियां टोर नेटवर्क पर आधारित कुछ मैसेजिंग प्लेटफॉर्म की भी जांच कर रही हैं। अधिकारियों के मुताबिक, ऐसे नेटवर्क में संचार कई स्तरों से होकर गुजरता है, जिससे उपयोगकर्ता की वास्तविक पहचान और लोकेशन का पता लगाना कठिन हो सकता है। जांच एजेंसियों ने कोटेक्स और कोनियन जैसे प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल की भी जानकारी जुटाई है। अधिकारियों के अनुसार, इन माध्यमों का इस्तेमाल कथित तौर पर आतंकी हैंडलर्स और घाटी में उनके संपर्कों के बीच संवाद के लिए किया गया।

बिना नंबर के एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग

जांच में ऐसे विदेशी ऐप्स का भी जिक्र आया है, जिनमें फोन नंबर या सिम कार्ड के बिना एन्क्रिप्टेड मैसेजिंग की सुविधा उपलब्ध है। सुरक्षा एजेंसियों के लिए ऐसे प्लेटफॉर्म पर सक्रिय संदिग्धों की पहचान करना अपेक्षाकृत कठिन हो सकता है। कुछ अन्य विदेशी और गुमनाम मैसेजिंग प्लेटफॉर्म भी एजेंसियों की निगरानी में हैं। अधिकारियों के मुताबिक, इनके अलग-अलग वर्जन में एन्क्रिप्शन और पारंपरिक रजिस्ट्रेशन से बचने जैसी सुविधाएं मौजूद हो सकती हैं।

सार-समाचार

नाबालिग से यौन शोषण केस में उद्योगपति गिरफ्तार

चेन्नई। नाबालिग लड़की के साथ कथित यौन शोषण के मामले में उद्योगपति वीरमणी, उनकी सहयोगी शांति और शांति के पति महेंद्र चिक्कन को गरिफ्तार किया गया है। पुलिस के मुताबिक 6 अक्टूबर 2025 को चेन्नई में एक अज्ञात व्यक्ति ने चेन्नई पुलिस के एक अधिकारी को शिकायत के साथ एक पेनड्राइव सौंपी थी। कहा गया कि पेन ड्राइव में एक वीडियो है, जिसमें उद्योगपति वीरमणी अपनी सहयोगी शांति के बेडरूम में कथित तौर पर एक नाबालिग लड़की के साथ यौन अपराध करते हुए दिख रहे हैं। शिकायत के बाद जब पेन ड्राइव की जांच की गई तो इसमें एक बुजुर्ग व्यक्ति नाबालिग लड़की के साथ यौन अपराध करता पाया गया। शिकायत के आधार पर चेन्नई पुलिस की सेंट्रल क्राइम ब्रांच ने मामला दर्ज किया।

ई20 पेट्रोल पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई

नई दिल्ली। ई20 पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग को लेकर 31 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट में होगी। नरेंद्र कुमार गोस्वामी ने सुप्रीम कोर्ट ने एक याचिका दायर की है। जिसमें कहा गया है कि, पेट्रोल पंप के नॉजिल पर यह स्पष्ट तौर पर लिखा होना चाहिए कि, पेट्रोल में इथेनॉल ब्लेंडिंग की मात्रा कितनी है। सुप्रीम कोर्ट इसी याचिका की सुनवाई करेगा। अदालत की 31 अगस्त की कॉज लिस्ट के मुताबिक, मामला जस्टिस एम एम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच के सामने पेश किया जाएगा। मामला यहीं खत्म नहीं होता। याचिका में सरकार से यह भी पूछा गया है कि देश में चल रही हर कार और बाइक ई20 के लिए कितनी तैयार है और अगर नहीं है, तो उसके मालिक के लिए क्या विकल्प है।

आप नेता गुरप्रीत की गोली मारकर हत्या

फिरोजपुर। पंजाब के फिरोजपुर जिले में आम आदमी पार्टी नेता गुरप्रीत सिंह गोपी की अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी। इस हमले में नेता गुरप्रीत सिंह गोपी की मौत हो गई, जबकि पार्टी के एक अन्य कार्यकर्ता हरप्रीत सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना फिरोजपुर के ममदोट इलाके में हुई। गुरप्रीत सिंह गोपी और हरप्रीत सिंह ममदोट रोड पर मोटरसाइकिल से जा रहे थे, तभी एक कार में सवार अज्ञात हमलावरों ने कथित तौर पर उन पर गोलियां चला दीं। ममदोट नगर पंचायत के नए चुने गए अध्यक्ष विक्की मैनी दो अन्य लोगों के साथ एक अलग कार में जा रहे थे और मौके पर मौजूद थे। फिरोजपुर एसएसपी भूपिंदर सिंह सिद्धू ने कहा कि यह घटना चुनाव से जुड़ी पुरानी रंजिश से जुड़ी है। पुलिस अधिकारी के अनुसार गुरप्रीत सिंह गोपी और हरप्रीत को गोली लगी और उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

अभिषेक बनर्जी की बढ़ीं मुश्किलें

कोलकाता। इस हफ्ते की शुरूआत में पार्टी के निशान वाले बिलबोर्ड को हटाने के विवाद में कोलकाता पुलिस ने टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी को नोटिस जारी किया है। इस विवाद के दौरान अभिषेक बनर्जी के कार्यालय में अधिकारियों और प्राइवेट गाड्र्स के बीच हाथापाई हुई थी। बनर्जी को उनके घर पर यह नोटिस दिया गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि डायमंड हार्बर के सांसद से कहा गया है कि वे इस मामले के सिलसिले में मंगलवार दोपहर शेक्सपियर सरणी पुलिस स्टेशन में पेश हों। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना के सिलसिले में तीन एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिनमें से दो में बनर्जी को आरोपी बनाया गया है।

आईएएस दिव्या मित्तल ने इस्तीफा दिया

लखनऊ। यूपी की चर्चित आईएएस दिव्या मित्तल (43) ने नौकरी से इस्तीफा दे दिया है। अभी वह लखनऊ में राजस्व विभाग में विशेष सचिव थीं। दिव्या ने मुख्य सचिव एसपी गोयल को इस्तीफा भेज दिया है। रविवार सुबह उन्होंने फेसबुक-इंस्टाग्राम पर पोस्ट करके इसकी जानकारी दी। दिव्या मित्तल का अचानक इस्तीफा ब्यूरोक्रेसी में सुर्खियों में है। इस्तीफा क्यों दिया, यह स्पष्ट नहीं है। हालांकि, चर्चा है कि 4 महीने से वह साइडलाइन थीं। फील्ड पोस्टिंग चाहती थीं। 2013 बैच की दिव्या मित्तल 13 साल से नौकरी कर रही थीं। अभी उनकी 17 साल की नौकरी बची हुई थी। दिव्या मित्तल मिजार्पुर, बस्ती और देवरिया की डीएम रह चुकी हैं।

समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने किया ऐलान...

सत्ता में आए तो 3 महीने में कराएंगे जातीय जनगणना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों के बीच जुबानी जंग तेज होती जा रही है। इस बीच समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने रविवार को राजधानी लखनऊ में प्रेस कांफ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने योगी सरकार पर तीखा हमला किया। उन्होंने कहा कि कहा कि जुझौतिखण्ड गढकुंडार नरेश महाराजा खेतसिंह खंगार जूदेव जी को वह सम्मान नहीं मिला जो मिलना चाहिए था। उन्होंने कहा कि महाराजा खंगार की प्रतिमा लखनऊ की प्रतिष्ठित जगह पर लगाई जाएगी। अखिलेश यादव ने कहा कि गोमती नदी के किनारे हम महाराजा खेतसिंह खंगार की प्रतिमा लगवाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारी मांग है कि जाति जनगणना हो और खंगार समाज को सम्मान मिले। उन्होंने कहा कि अगर प्रदेश में उनकी सरकार आती है तो वो 3 महीने में जाति जनगणना करवाएंगे और उन्हें सम्मान देंगे। उन्होंने कहा कि अर्कवंशी , खंगार समाज के लोग धोखा खाए हैं। सपा प्रमुख ने कहा कि झांसी में जब वो प्रतिमा लगाने के लिए गए तब लोगों ने कहा पहली बार हेलीकॉप्टर आया है। उन्होंने कहा कि झांसी की उस रैली में बड़ी संख्या में लोग आए थे। उन्होंने कहा कि सरकार बनाने पर अर्कवंशी खंगार समाज के लोग लाल बत्ती लगा कर अपने घर जाएंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी के लोगों ने महाराजा खेतसिंह खंगार की प्रतिमा लगाई लेकिन वो भ्रष्टाचार से बनी थी और टूट गई। महिलाओं को 40 हजार रुपए देने का वादा अखिलेश यादव ने बीजेपी पर निशाना साधते हुए कहा कि इन लोगों ने अपने पहले प्रधानमंत्री और पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष की प्रतिमा लगाई और बोले कि वो पीतल की है, लेकिन जब बारिश हुई तो पता चला कि वो तो मिट्टी की है।

आतंकी साजिश में दोषी को सात साल की कैद

नई दिल्ली। आईएसआईएस से जुड़ी आतंकी साजिश के मामले में एनआईए की विशेष अदालत ने सैयद फासिउर रहमान उर्फ सैयद फसीह उर रहमान को सात साल की सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उस पर 48 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) के अनुसार, मामले में साजिश का उद्देश्य लक्षित हत्याओं को अंजाम देकर सांप्रदायिक दंगे भडकाना और प्रतिबंधित आतंकी संगठन आईएसआईएस के एजेंडे को आगे बढ़ाना था। एनआईए की जांच के मुताबिक, इस मामले में मुख्य आरोपी मेहबूब पाशा ने बंगलूरू के गुरप्पनपाल्या स्थित अपने घर पर कई बैठकें की थीं। इन्हीं बैठकों में कथित तौर पर लक्षित हत्याओं की योजना बनाई गई थी।

संकट की घड़ी में पूरी सरकार है बाढ़ पीड़ितों के साथ : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने चित्रकूट में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया पैदल भ्रमण, किया नुकसान का मुआयना

अधिकारियों को 3 दिन तक चित्रकूट में ही रहकर राहत पहुंचाने के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री ने आश्रय स्थल जाकर बाढ़ प्रभावितों को दिए वस्त्र, घरेलू सामग्री और खाद्यान्न

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को रीवा से सीधे चित्रकूट पहुंचे। मुख्यमंत्री ने चित्रकूट में बाढ़ की आपदा से उत्पन्न परिस्थितियों का मुआयना किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्राचीन मुखार विन्द के पास बनाए गए आश्रय स्थल (राहत शिविर) पहुंचकर सभी बाढ़ प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनके कुशल-क्षेम की जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने बाढ़ प्रभावितों को राहत सामग्री का वितरण किया और कहा कि संकट की इस घड़ी में हमारी पूरी सरकार आप लोगों के साथ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मंदाकिनी नदी की बाढ़ से नदी का पानी घरो में घुसने से काफी नुकसान हुआ है। इसके अलावा चित्रकूट की अधोसंरचनाओं को भी क्षति पहुंची है। उन्होंने सभी प्रभावितों से कहा कि सरकार और प्रशासन आपदा की घड़ी में पीड़ितों के साथ है। सभी प्रभावितों को उनके हुए नुकसान की भरपाई की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चित्रकूट में जन जीवन सामान्य होने तक सभी वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी यहीं रूककर प्रभावितों को राहत पहुंचाने का काम करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आश्रय स्थल पर बांदा के बबेरू से आए श्रद्धालु श्री राजू सिंह से बात की। श्री राजू ने बताया कि वे 20 लोगों के साथ कामतानाथ स्वामी के दर्शन करने आए थे। बाढ़ का पानी होने से वे सब अपने घर वापस नहीं लौट पाए। उन्होंने बताया कि इस आश्रय स्थल पर प्रशासन द्वारा उन सभी के लिए भोजन, पानी, नाश्ते की समुचित व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आश्रय स्थल पर बाढ़ प्रभावित व्यक्तियों को वस्त्र, घरेलू सामग्री और खाद्यान्न आदि राहत सहायता सामग्री भी वितरित की। जल भराव वाले क्षेत्रों का किया पैदल भ्रमण मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकूट नगर के रामधाम मोहल्ले में जलभराव (बाढ़) से प्रभावित क्षेत्रों का पैदल भ्रमण किया। उन्होंने कीचड़ से सने मार्ग में पैदल चलकर प्रभावितों के घरों तक पहुंचकर जल भराव से हुए नुकसान का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्री रामफल गर्ग और श्री किस्मत कुमार गर्ग के घर पहुंचकर जलभराव से हुए नुकसान की जानकारी ली तथा प्रभावित परिवारों से आत्मीय चर्चा कर उन्हें आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सतना से चित्रकूट मार्ग पर सियाराम कुटीर स्थित माधव धर्मशाला के समीप अग्रहरि किराना स्टोर पहुंचकर दुकानदार श्री कामता प्रसाद गुप्ता से मुलाकात की और उनकी दुकान में पानी भरने से हुए नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने प्रभावितों को भरोसा दिलाया कि इस कठिन समय में सरकार उनके साथ है और सभी प्रभावितों को नियमानुसार हरसंभव राहत एवं सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जिलाधिकारियों से बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में चल रहे राहत एवं बचाव कार्यों की जानकारी लेते हुए सभी प्रभावित परिवारों को हर जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन पूरी तत्परता, समर्पण और संवेदनशीलता के साथ सभी प्रभावितों को राहत सहायता उपलब्ध कराए। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि राहत कार्यों में किसी प्रकार की कोई भी कमी न रहे। इस अवसर पर चित्रकूट के विधायक श्री सुरेंद्र सिंह गहरवार, नगर परिषद की अध्यक्षा सुश्री साधना पटेल, श्री प्रबल श्रीवास्तव, कमिश्नर रीवा संभाग श्री शीलेन्द्र सिंह, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस सहित अन्य जन प्रतिनिधिगण एवं जिलाधिकारी उपस्थित थे। मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रभावितों को राहत सहायता वितरण एवं नगर के पैदल निरीक्षण के उपरांत मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि चित्रकूट में में बीते दिनों से लगातार हो रही अतिवृष्टि के कारण यहां की सेमरावल एवं मंदाकिनी नदी के जलस्तर में वृद्धि से बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हुई है। नगर के कई क्षेत्रों में लोगों के घरों में पानी भर गया है और उनके घरेलू सामान को भी नुकसान पहुंचा है। जिला प्रशासन की मुस्तैदी से अबतक किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। यहां राहत एवं बचाव कार्य लगातार चलाए जा रहे हैं। साथ ही प्रभावित लोगों तक आवश्यक राहत सामग्री भी पहुंचाई जा रही है। उन्होंने कहा कि बाढ़ से नुकसान तो हुआ है, जिसका आंकलन किया जा रहा है। जिला प्रशासन के सभी संबंधित अधिकारी इस समय मौके पर ही मौजूद हैं। प्रशासन द्वारा बाढ़ की स्थिति पर सतत निगरानी की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिले के सभी अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी बाढ़ प्रभावित लोगों के लिए भोजन, वस्त्र, पेयजल, चिकित्सा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल सुनिश्चित की जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उन्होंने स्वयं शनिवार की रात रीवा में ही रुककर सतना और रीवा जिले में बाढ़ की स्थिति की विस्तार से समीक्षा की। उन्होंने कहा कि चित्रकूट और सतना में अतिवृष्टि के कारण सेमरावल एवं मंदाकिनी नदी में बाढ़ का भयावह रूप देखने को मिला।

संपादकीय

बिना हुनर के डिग्री

नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट हमारे नीति-नियंताओं को आईना दिखाने वाली है। चौंकाने वाली ये रिपोर्ट बताती है कि देश में नब्बे फीसदी से अधिक स्नातक ऐसी नौकरियां कर रहे हैं, जिसका उनकी डिग्री से कोई संबंध नहीं होता है। जाहिरा तौर पर यह आंकड़ा हमारी शिक्षा व्यवस्था की विसंगतियों को ही उजागर करता है। इसके मायने हैं कि आज भी महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों तथा अन्य शिक्षण संस्थानों में ऐसी शिक्षा दी जा रही है ,जो मौजूदा आर्थिकी से नहीं जोड़ती। देश-दुनिया का मौजूदा आर्थिक परिदृश्य बिल्कुल बदल चुका है। सरकारी नौकरियां ना के बराबर हैं, मगर हर स्नातक उसके लिये आवेदन करता है। जबकि रोजगार बाजार में उतरने के लिये युवाओं के पास कौशल विकास, व्यावहारिक दक्षता, तकनीकी ज्ञान और कुशल प्रबंधन का अनुभव होना जरूरी है। दरअसल, अधिकांश शिक्षण संस्थानों में आज भी वर्षों पुराना वह पाठ्यक्रम पढ़ाया जा रहा है जो मौजूदा प्रतिस्पर्धी समय में रोजगार उपलब्ध कराने की गारंटी नहीं देता। इसके लिये जरूरी है कि युवाओं को उद्योग, बाजार व व्यावसायिक संस्थानों की जरूरतों के अनुरूप शिक्षा दी जाए। लेकिन विडंबना यह है कि तीन-चार साल के अध्ययन के बाद छात्रों को जो डिग्री मिलती है, वह उन्हें रोजगार के बाजार में कदमताल करने का हुनर नहीं देती। यह तभी संभव है जब हमारी शिक्षा, कौशल विकास व अर्थव्यवस्था में तारतम्य स्थापित हो सकेगा। लेकिन हर साल लाखों बीए, एम.ए. व अन्य मानविकीय विषयों की डिग्री हासिल करने वाले बेरोजगारों की पंक्ति में शामिल हो जाते हैं। यही वजह है कि देश में स्नातक बेरोजगारों का प्रतिशत देश की सामान्य बेरोजगारी दर से कहीं अधिक है। महिला स्नातकों की दर तो पुरुष स्नातकों से भी कहीं ज्यादा है। ऐसे में उस उच्च शिक्षा का क्या औचित्य जो युवाओं को रोजगार नहीं दे सकती। असल में, बदलते वक्त के अनुरूप युवाओं की शिक्षा में जो जरूरी बदलाव किए जाने चाहिए थे, वे अभी तक सिरे नहीं चढ़ पाये हैं। दरअसल, हर युवा में कला-कौशल का एक विशिष्ट गुण होता है। उसका मूलभूत रुझान एक विशेष क्षेत्र में होता है। लेकिन इस गुण को न तो अभिभावक समझ पाते हैं और न ही शिक्षक। छात्र भेड़चाल में आकर शिक्षण संस्थानों में दाखिला लेते हैं। लेकिन यह उनकी रुचि का विषय नहीं होता है। कई अध्ययन बताते हैं कि अपनी रुचि के विषय में युवा बेहतर कार्य प्रदर्शन करते हैं। यह संभव नहीं कि हर छात्र डॉक्टर व इंजीनियर ही बने। लेकिन समाज में ऐसा करने की होड़ बनी हुई है। एक समय बैंकिंग, रेलवे आदि में भविष्य तलाशने की होड़ लगी। पिछले कुछ समय में कंप्यूटर साइंस में इंजीनियरिंग करने का फैशन चला। वैश्विक स्थितियों में बदलाव व एआई के वर्चस्व के चलते अचानक कंप्यूटर साइंस के क्षेत्र में नौकरियों में तेजी से कटौती हुई। लेकिन देश में हजारों शिक्षण संस्थान आज भी इस भेड़चाल में युवाओं को धकेल रहे हैं। विडंबना यह है कि हमारे नीति-नियंताओं ने दूरदर्शी दृष्टिकोण न अपनाते हुए, भविष्य की दीवार पर लिखी इबारत को नहीं पढ़ा। यही वजह है कि दुनिया में सबसे ज्यादा युवाओं का देश होने के बावजूद हम इस जनसांख्यिकीय लाभ उठाने में विफल रहे हैं। हमारे उद्योगों ने भी अपनी जरूरत के मुताबिक युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिये इस बाबत चलाये जा रहे कार्यक्रमों में सहयोग नहीं किया। यही वजह है कि आज देश में कामचलाऊ इंटर्नशिप व अप्रेंटिसशिप का बोलबाला है। यदि हमारा निजी क्षेत्र इस दिशा में रचनात्मक पहल करता तो उसे बड़ी संख्या में अपनी जरूरतों के मुताबिक युवा प्रतिभाएं मिल सकती थीं।

हिमनद फटने से आई नेपाल में आपदा

नेपाल में तिब्बत से आई बाढ़ से मची तबाही का मूल कारण भूकंप नहीं बल्कि हिमनद का फटकर बाढ़ में परिवर्तित हो जाना है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने अपना आरंभिक आकलन बदलते हुए कहा है कि यह आपदा भूकंप के कारण नहीं, अपितु एक हिमनद के बम की तरह फटकर ढहने और उसके मलबे के तेज बहाव के कारण आई है। इसके पहले इसी एजेंसी ने गोसाईं कुंड के लगभग 47 किमी उत्तर में 4.4 तीव्रता से आए भूकंप को हिमनद के टूटने का संभावित कारण बताया था। नेपाल के अखबार 'काठमांडू पोस्ट' के अनुसार 7,245 मीटर ऊंची लांगटांग लिरुंग चोटी के उत्तरी हिस्से पर यह हिमस्खलन हुआ है। इससे पहले 2015 में आए भूकंप के केंद्र में भी यही पहाड़ था। हालांकि अभी भी नेपाल से सटे तिब्बत में हिमालय की ऊंचाई पर हिमनद के टूटने से जो बाढ़ आई है, उसके कारणों की पड़ताल की जा रही है। बढ़ते वैश्विक तापमान के चलते जलवायु परिवर्तन भी इस आपदा का कारण माना जाता रहा है। ऐसा है तो दुनिया के विकसित देशों को इस जल प्रलय का समाधान खोजने की जरूरत है।

प्रमोद भार्गव

फिलहाल हिमालयी पर्यावरण बिगाड़ने में चीन का सर्वाधिक योगदान है। इस तबाही की शुरूआत भी नेपाल-चीन सीमा पर बहने वाली ल्हेंदे नदी में बाढ़ के मलबे में आई रुकावट से मानी जा रही है। इस रुकावट के टूटने से पहले एक बड़ी हिमनद झील बन गई थी। इसके फटने से भोटेकोशी नदी में कीचड़ और बड़े-बड़े पत्थरों का सैलाब आ गया था। इसके नीचे नेपाल की बस्तियों में बहने से तबाही मची। नतीजतन 359 लोग बाढ़ ने लील लिए और 826 लापता हैं, इनमें भारत समेत अन्य देशों के 590 पर्यटक हैं। इस घटना से पता चलता है कि जलवायु परिवर्तन का सीधा असर उच्च हिमालयी क्षेत्रों पर तेज गति से हो रहा है। यहां तक कि जिन हिमनद (ग्लेशियर) झीलों के आसपास मानव की आवाजाही अत्यंत सीमित है, वहां भी अब जलवायु परिवर्तन के चलते मौसम का मिजाज खतरे की घंटी बजाने लगा है।

नेपाल में जिस हिमनद के टूटने से जल-प्लावन आया है, वह 17 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित थी और मानव बस्तियां भी नहीं थीं। अधिक ऊंचाई पर होने के कारण आवाजाही भी कम थी। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट और नेपाल सरकार के विज्ञानियों द्वारा किए आकलन से पता चला है कि ऐसी 47 हिमनद झीलें हैं, जिन्हें खतरनाक माना गया है। चेतावनी दी गई है कि इनसे नेपाल की नदी प्रणालियों में इन हिमनदों के फटने से भयानक बाढ़ आ सकती है। इनमें से 21 झीलें हिमनद नेपाल में हैं और 25 झीलें तिब्बत की सीता पर स्थित हैं। ये हिमनद उन नदियों के उद्गम स्थलों पर हैं, जो दक्षिण की ओर नेपाल में बहती हैं। अतएव इनके फटने से बाढ़ आती है तो नीचे की ओर बसे जन समुदायों और बुनियादी संरचना के लिए बड़ा संकट पैदा हो सकता है। यही संकट वर्तमान में नेपाल की संरचनात्मक तबाही में देखा जा रहा है। यह चेतावनी यदि अनुमान पर खरी उतरती है तो कहा जा सकता है कि नेपाल बर्बादी के मुहाने पर बसा है। भारत में भी इसरो और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के आंकड़े डराने वाले हैं। भारतीय हिमालयी क्षेत्र में 7,500 से अधिक हिमनद झीलें हैं, इनमें से 189 'रेड जोन' में रेखांकित की गई हैं। इस संकेत से पता चलता है कि ये झीलें कभी भी फटकर उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में तबाही का कारण बन सकती हैं। क्योंकि इन झीलों में बढ़ते वैश्विक तापमान के चलते बर्फ पिघलने से पानी की मात्रा लगातार बढ़ रही है। यही नहीं, अध्ययन बताते हैं कि सिंधु, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदी क्षेत्रों की चोटियों पर छोटी-बड़ी हजारों झीलें हैं। ये झीलें पहाड़ों पर अत्यंत तेज गति से प्राकृतिक रूप में आकार ले रही हैं। लद्दाख में ही ऐसी 3,219 झीलों की पहचान की गई है। हिमालय के भारतीय क्षेत्र में कुल हिमनदों की संख्या में से 2,431 ऐसे हिमनद हैं, जो जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के चलते 10 हेक्टेयर क्षेत्र में फैल गई हैं। इन्हें सर्वेक्षणों ने अत्यधिक जोखिम भरी झीलों की श्रेणी में रखा है। हालांकि कुछ हिम झीलों का आकार तेजी से सिकुड़ भी रहा है।

हिमनद झीलों के अनियंत्रित ढंग से बढ़ते आकार की ठोस सच्चाई इसरो के उपग्रहों से लीं गईं तस्वीरों के अध्ययन से सामने आई है। इस स्थिति ने विज्ञानियों की चिंता बढ़ा दी है। हिमाचल प्रदेश की गेफांग घाट झील का आकार सर्वाधिक 178 प्रतिशत बढ़ा है। इसका कुल क्षेत्रफल 101.3 हेक्टेयर हो गया है। हिमालयी क्षेत्र में 10 लाख लोग ग्लेशियर झीलों के 10 किमी के दायरे में रहते हैं। पिछले साल 05 अगस्त 2025 को उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में धराली गांव के खीर क्षेत्र में बादल फटने के कारण भीषण बाढ़ और मलबे में यह पूरा क्षेत्र डूब गया था। बादल फटने से हुई तेज बारिश ने गंगोत्री और हर्शिल के क्षेत्र में आने वाली हिमनद झीलों को नाले में बदल दिया था।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा 2020 में किए गए एक अध्ययन से भी स्पष्ट हुआ था कि जलवायु परिवर्तन और पानी का अटूट संबंध है। इस रिपोर्ट के मुताबिक दक्षिण एशिया को 2030 तक बाढ़ों की कीमत प्रत्येक वर्ष चुकानी पड़ेगी। इनसे करीब सालाना 15.6 लाख करोड़ की हानि उठानी पड़ सकती है। साफ है, वैश्विक तापमान के बढ़ते खतरे ने आम आदमी के दरवाजे पर दस्तक दे दी है। दुनिया में कहीं भी एकाएक बारिश, बाढ़, बर्फबारी, बादल फटने या फिर सूखे का कहर का सामना करना पड़ सकता है। आंधी, तूफान और फिर यकायक ज्वालामुखियों के फटने की हैरतअंगेज घटनाएं भी यही संकेत दे रही हैं कि अदृष्य खतरे इर्द-गिर्द ही कहीं मंडरा रहे हैं। समुद्र और अंटार्कटिका जैसे बर्फीले क्षेत्र भी इस बदलाव के संकट से दो-चार हो रहे हैं।

दरअसल, वायुमंडल में अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड महासागरों में भी अवषोशित होकर गहरे समुद्र में बैठ जाती है। यह वर्षों तक जमा रहती है। पिछली दो शताब्दियों में 525 अरब टन कचरा महासागरों में विलय हुआ है।

इसके इतर मानवजनित गतिविधियों से उत्सर्जित कार्बन डाइऑक्साइड का 50 फीसदी भाग भी समुद्र की गहराइयों में समा गया है। इस अतिरिक्त कार्बन डाइऑक्साइड के जमा होने के कारण अंटार्कटिका के चारों ओर फैले दक्षिण महासागर में इस कार्बन डाइऑक्साइड को सोखने की क्षमता निरंतर कम हो रही है। इस स्थिति का निर्माण खतरनाक है। ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वेक्षण के मुताबिक वैज्ञानिकों का कहना है कि दक्षिण महासागर कार्बन डाइऑक्साइड से लबालब हो गया है। नतीजतन अब समुद्र इसे अवषोशित करने की बजाय वायुमंडल में ही उगलने लग गया है। अगर इसे जल्दी नियंत्रित नहीं किया गया तो वायुमंडल का तापमान तेजी से बढेगा, जो न केवल मानव बल्कि सभी प्रकार के जीव-जंतुओं के अस्तित्व के लिए खतरनाक होगा। हिमालय पर कई वर्षों से अध्ययन कर रहे 'वाडिया भू-विज्ञान संस्थान' की रिपोर्ट के अनुसार हिमालय के हिमखंडों में काले कार्बन की मात्रा लगातार बढ़ रही है। यह मात्रा सामान्य से ढाई गुना बढ़कर 1899 नैनोग्राम हो गई है। दरअसल काले कार्बन से तापमान में वृद्धि होती है। यह सूर्य के प्रकाश को अवशोसित करने में अत्यंत प्रभावी है। इससे हिमालय और आर्कटिक जैसे हिमखंडों में बर्फ पिघलने लगती है। यदि किसी साल बरसात में औसत से कम बारिश होती है तो बर्फ पिघलने की मात्रा और अधिक बढ़ जाती है। वायु प्रदूषण से भी हिमखंड दूषित कार्बन की चपेट में आए हैं।

आज का इतिहास

1813 - कुलम की पहली लड़ाई: ऑस्ट्रियाई-प्रशिया-रूसी गठबंधन ने फ्रांसीसी सेनाओं को पराजित किया था।

1835 - ऑस्ट्रेलिया: मेलबोर्न, विक्टोरिया की स्थापना हुई थी।

1842 - एंग्लो चीन युद्ध समाप्त हुआ था।

1873 - ऑस्ट्रियाई खोजकर्ता जूलियस वॉन पेयर और कार्ल वीप्रैक्ट ने आर्कटिक सागर में फ्रांज जोसेफ भूमि के द्वीपसमूह की खोज की थी।

1909 - चार्ल्स डूलिटल वालकोट ने बर्गेस शैल जीवाश्मों की खोज की थी।

1914 - प्रथम विश्व युद्ध: जर्मनी ने टैननबर्ग की लड़ाई में रूसियों को हराया था।

1923 - उत्तर-पूर्वी टर्क और केको के उष्णकटीबंधीए आँधी के साथ तूफान का मौसम शुरू हुआ था।

1940 - रोमानिया से हंगरी तक उत्तरी ट्रांसिल्वेनिया के क्षेत्र को दूसरा वियना पुरस्कार एक बार फिर सौंप दिया था।

1942 - द्वितीय विश्व युद्ध: आलम एल हाल्फा की लड़ाई शुरू हुई थी।

1945 - हांगकांग का जापानी कब्जा खत्म हो गया था।

1945 - सहयोगी बलों के सुप्रीम कमांडर, जनरल डगलस मैक आर्थर अत्सुगी वायुसेना बेस में उतरे थे।

1945 - द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी को नियंत्रित करने वाली सहयोगी नियंत्रण परिषद अस्तित्व में आयी थी।

1947 - डॉ? भीम राव अंबेडकर के नेतृत्व में भारतीय संविधान का प्रारूप तैयार करने के लिए एक प्रारूप समिति का गठन किया गया था।

1962 - जापान ने द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से पहला विमान और एनएएमसी वाईएस - 11 का परीक्षण किया गया था जो युद्ध के बाद में एकमात्र सफल वाणिज्यिक विमान था।

1963 - यू.एस. और सोवियत संघ के नेताओं के बीच मास्को-वाशिंगटन हॉटलाइन ऑपरेशन में शुरु हुआ था।

15 दिनों के भीतर दो बार एक मंच पर आएंगे मोदी-पुतिन और शी, ट्रंप की बेचैनी बढ़ी

नीरज कुमार दुबे

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के एससीओ शिखर सम्मेलन में शिरकत करने की पुष्टि करते हुए उनके उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान दौरे के कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी जिसके बाद पूरी दुनिया में हलचल-सी मच गयी है।

हलचल इसलिए मची है क्योंकि जब भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग एक बार फिर एक साथ दिखाई देंगे, तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सीने पर पिछले साल की तरह फिर से सांप लोट सकते हैं। पिछली बार चीन के तियानजिन में एससीओ मंच पर इन तीन नेताओं की तस्वीर ने अमेरिकी रणनीतिक हलकों में बेचैनी बढ़ा दी थी। तब पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने ट्रंप की टैरिफ नीतियों को भारत-अमेरिका रिश्तों को दशकों पीछे धकेलने वाला कदम बताया था और कहा था कि ऐसी नीतियों ने मोदी को पुतिन और शी के और करीब पहुंचा दिया। अब दृश्य और बड़ा है। पहले मध्य एशिया, फिर नई दिल्ली यानि पहले एससीओ और उसके तुरंत बाद ब्रिक्स। संदेश साफ है कि भारत किसी की रणनीतिक जागीर नहीं है।

देखा जाये तो प्रधानमंत्री मोदी की उज्बेकिस्तान यात्रा और किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक में 31 अगस्त से 1 सितंबर तक होने वाला एससीओ शिखर सम्मेलन ऐसे समय पर हो रहा है, जब मध्य एशिया वैश्विक शक्ति संघर्ष का नया मैदान बन चुका है। चीन बेल्ट एंड रोड के जरिए अपनी पकड़ बढ़ा रहा है, रूस इस क्षेत्र को अपने पारंपरिक प्रभाव क्षेत्र के रूप में देखता है और अमेरिका भी यहां अपनी मौजूदगी तथा रणनीतिक पहुंच बनाए रखने की कोशिश में है। ऐसे में मोदी की सक्रिय कूटनीति भारत को खेल का महत्वपूर्ण खिलाड़ी बना रही है।

उज्बेकिस्तान इस रणनीति का अहम केंद्र है। मोदी की प्रस्तावित ताशकंद यात्रा व्यापार, रक्षा, निवेश, कनेक्टिविटी, डिजिटल तकनीक, ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों जैसे क्षेत्रों में सहयोग को नई गति दे सकती है। पिछले पांच वर्षों में भारत-उज्बेकिस्तान व्यापार में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और द्विपक्षीय कारोबार लगभग 1.3 अरब डॉलर तक पहुंचने का उल्लेख किया गया है। भारत का निवेश फार्मास्यूटिकल्स, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य क्षेत्रों में फैला है, जबकि भारतीय विश्वविद्यालय भी उज्बेकिस्तान में अपनी उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं।

लेकिन इस यात्रा की असली ताकत केवल व्यापार के आंकड़ों में नहीं है। उज्बेकिस्तान भारत की मध्य एशिया रणनीति का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार है। पाकिस्तान द्वारा भूमि मार्ग अवरुद्ध रखने के कारण भारत के सामने संपर्क का प्रश्न लंबे समय से चुनौती बना हुआ है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय उत्तर-दक्षिण परिवहन गलियारा यानि आईएनएसटीसी और चाबहार बंदरगाह भारत के लिए सामरिक महत्व रखते हैं। ईरान और पश्चिम एशिया की मौजूदा अस्थिरता ने इन परियोजनाओं की राह कठिन जरूर बनाई है, लेकिन भारत के लिए विकल्प तलाशना अब मजबूरी नहीं, रणनीतिक आवश्यकता है।

अफगानिस्तान भी मोदी-मिर्जियोयेव वार्ता का बड़ा मुद्दा हो सकता है। स्थिर अफगानिस्तान के बिना दक्षिण और मध्य एशिया की कनेक्टिविटी, व्यापार और सुरक्षा की कोई भी बड़ी योजना अधूरी है। ताशकंद और नई दिल्ली पुनर्निर्माण, आर्थिक विकास और क्षेत्रीय स्थिरता पर अधिक निकट समन्वय विकसित कर सकते हैं। इसके साथ ही रक्षा सहयोग, 'दुस्तलिक' सैन्य अभ्यास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, विज्ञान-तकनीक और महत्वपूर्ण खनिजों में साझेदारी भारत की मध्य एशिया नीति को नई धार दे सकती है।

इसके बाद बिश्केक में एससीओ का मंच मोदी को रूस और चीन समेत प्रमुख यूरेशियाई शक्तियों के साथ सीधे संवाद का अवसर देगा। भारत के लिए एससीओ केवल फोटो-ऑप नहीं है। आतंकवाद, ऊर्जा सुरक्षा, कनेक्टिविटी, आर्थिक सहयोग और क्षेत्रीय स्थिरता, ये सभी भारत के प्रत्यक्ष राष्ट्रीय हित से जुड़े प्रश्न हैं। नई दिल्ली लगातार यह भी रेखांकित करती रही है कि कनेक्टिविटी परियोजनाएं संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें तथा आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मानदंड स्वीकार नहीं किए जा सकते।इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प पहलू मोदी-पुतिन संबंध हैं। हम आपको बता दें कि विदेश मंत्री एस. जयशंकर की मॉस्को यात्रा के दौरान पुतिन ने मोदी से एससीओ में मिलने की इच्छा जताई और भारत के लिए उर्वरक आपूर्ति बढ़ाने की बात कही। दोनों देशों के बीच ऊर्जा, व्यापार, परमाणु सहयोग और कृषि जरूरतों से जुड़े रिश्ते लगातार महत्वपूर्ण बने हुए हैं। भारत ने पश्चिमी दबाव के बावजूद अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर रूस के साथ आर्थिक संबंध बनाए रखे हैं और यही मोदी की रणनीतिक स्वायत्तता का सबसे बड़ा प्रमाण है।

लेकिन असली भू-राजनीतिक धमाका इसके बाद हो सकता है। 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में पुतिन और शी चिनफिंग की मौजूदगी की संभावना भारत की कूटनीतिक हैसियत को और मजबूत करेगी। यदि मोदी, पुतिन और शी एक ही मंच पर लगातार दो बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में मिलते हैं, तो यह किसी औपचारिक मित्रता की घोषणा नहीं होगी; लेकिन यह जरूर दिखाएगा कि विश्व राजनीति अब एकध्रुवीय निर्देशों पर नहीं चलती। भारत, रूस और चीन के बीच मतभेद मौजूद हैं, विशेषकर भारत-चीन संबंधों में।

इसलिए इसे किसी स्थायी त्रिपक्षीय गठबंधन के रूप में देखना जल्दबाजी होगी। मगर बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था, वैश्विक शासन सुधार, ग्लोबल साउथ की आवाज, ऊर्जा सुरक्षा और वैकल्पिक आर्थिक संस्थाओं के सवाल पर तीनों देशों की बातचीत का प्रभाव अमेरिका और पश्चिमी शक्तियों तक जरूर पहुंचेगा।

मोदी की उज्बेकिस्तान से बिश्केक और फिर नई दिल्ली तक फैली यह कूटनीतिक श्रृंखला एक बड़े संदेश का निर्माण करती है। संदेश यह है कि भारत अब मध्य एशिया में अपनी पहुंच बढ़ा रहा है, रूस के साथ पुराने रणनीतिक संबंधों को नए आर्थिक आधार दे रहा है, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा और संवाद, दोनों को एक साथ साध रहा है और ब्रिक्स जैसे मंचों के जरिए ग्लोबल साउथ की राजनीति को नई दिशा देने की कोशिश कर रहा है। वॉशिंगटन के लिए संदेश इसलिए असहज हो सकता है, क्योंकि दबाव, टैरिफ और रणनीतिक ध्रुवीकरण की राजनीति भारत को किसी खेमे में बांधने की गारंटी नहीं देती।बहरहाल, मोदी की कूटनीति का मूल मंत्र साफ दिखाई देता है कि जहां भारत का हित, वहीं भारत का हाथ। अगले कुछ सप्ताह में ताशकंद, बिश्केक और नई दिल्ली के मंच शायद यही साबित कर दें कि बदलती विश्व व्यवस्था में भारत अपनी शर्तों पर चाल चलने वाला निर्णायक खिलाड़ी है।

आज का राशिफल

मेष - कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-6-8

वृष - शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-4-5-6

मिथुन - शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। शुभांक-2-4-5

कर्क - रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-3-6-9

सिंह - समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढने के आसार रहेंगे। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कन्या - आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आगे बढने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-7-8-9

तुला - निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। बुद्धितत्व की सक्रियता से अल्प लाभ का हर्ष होगा। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। शुभांक-6-8-9

वृश्चिक - घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। बढ़ते घाटे से कुछ राहत मिलने लगेगी। दवा-दारू में ज्यादा खर्च होगा। हाथ में आने वाला धन भी किसी अवरोध का शिकार हो जाएगा। व्यापार में स्थिति उत्तम रहेगी। धार्मिक स्थलों की यात्रा का योग है। शुभांक-5-6-9

धनु - चापलूस मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। शैक्षणिक क्षेत्र में उदासीनता रहेगी। सब्र का फल मीठा होता है अत:धैर्य रखें व अच्छे समय इन्तजार करें। शुभांक-5-7-8

मकर - थोड़े प्रयास से कार्य सिद्ध होंगे। घर-परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होने से वातावरण आनन्द देने वाला बना रहेगा। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुबह-सुबह की महत्त्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह बना रहेगा। किये गए कार्यों का प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-4-6-7

कुम्भ - कुछ प्रतिकूल गोचर का क्षोभ दिन-भर रहेगा। दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। आवेग में आकर किये गए कार्यों का म्लान, अवसाद रहेगा। जरा-सी लापरवाही आपको परेशानी में डाल सकती हैं। शुभांक-3-5-7

मीन - प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। कई प्रकार के हर्ष उल्लास के बीच अप्रत्याशित लाभ होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। स्वास्थ्य और जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। शुभांक-2-4-6

सीएनजी महंगी : कैब चालकों की कमाई पर कैंची, यात्रियों में बढ़ा किराये का डर, ऑटो-टैक्सी हड़ताल की चेतावनी

नई दिल्ली: दिल्ली में सीएनजी के दाम बढ़ने से कैब और ऑटो चालकों की कमाई का गणित बिगड़ गया है। इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड (आईजीएल) ने सीएनजी की कीमत 3.89 रुपये प्रति किलो बढ़ा दी है। शनिवार सुबह छह बजे से लागू नई दर के बाद दिल्ली में सीएनजी 86.98 रुपये प्रति किलो हो गई है। इसका सबसे सीधा असर उन एप आधारित कैब चालकों पर पड़ा है, जिन्हें ईंधन का खर्च तो अपनी जेब से उठाना पड़ता है, लेकिन यात्रियों से लिया जाने वाला किराया तय करने का अधिकार नहीं है।

आईजीएल ने कीमत बढ़ाने के पीछे अंतरराष्ट्रीय बाजार में एलएनजी की बढ़ती लागत और आपूर्ति पर दबाव को प्रमुख कारण बताया है। दिल्ली में इस साल की शुरूआत की तुलना में सीएनजी की कीमत करीब 10 रुपये प्रति किलो तक बढ़ चुकी है। वहीं, चालकों का कहना है कि रोजाना 200 से 250 किलोमीटर तक गाड़ी चलाने के बाद सीएनजी पर होने वाला अतिरिक्त खर्च

सीधे उनकी बचत को कम करता है। वाहन की ईएमआई, सर्विस, बीमा और घर के खर्च पहले से हैं। ऐसे में ईंधन की कीमत में हर बढ़ोतरी उनके लिए कमाई और खर्च के बीच का अंतर और छोटा कर देती है।

सीएनजी की कीमत में 3.89 रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी भले ही छोटी दिखाई दे, लेकिन ज्यादा किलोमीटर चलने वाले चालकों के लिए इसका असर बड़ा है। रोज 10 किलो सीएनजी खर्च करने वाले चालक को करीब 39 रुपये अतिरिक्त देने होंगे। 15 किलो पर यह रकम 58 रुपये और 20 किलो पर करीब 78 रुपये रोज पहुंच जाएगी। यानी महीने में अतिरिक्त खर्च करीब 1,167 से 2,334 रुपये तक हो सकता है।

सीएनजी महंगी होने के बाद यात्रियों को अब कैब किराया बढ़ने की आशंका सताने लगी है। रोज कैब से दफ्तर आने-जाने वाले रवि के मुताबिक, पहले से ही रोजाना परिवहन पर काफी खर्च होता है। ईंधन महंगा होने के बाद अगर कैब किराया बढ़ा तो मध्यवर्गीय परिवारों का मासिक बजट और बिगड़ेगा। वहीं अमित वर्मा ने कहा कि सीएनजी कार को अब तक पेट्रोल के मुकाबले किफायती विकल्प माना जाता था। कीमत लगातार बढ़ने से निजी वाहन चलाने का खर्च भी बढ़ रहा है।

दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में छोटे मालवाहक वाहन सीएनजी से चलते हैं। ये वाहन फैक्ट्रियों, दुकानों, गोदामों और ट्रांसपोर्ट हब के बीच सामान पहुंचाते हैं। ऑल इंडिया मोटर एंड गुड्स ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र कपूर के मुताबिक, माल ढुलाई महंगी हो सकती है, जिसका असर आगे रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतों पर भी पड़ सकता है।

कई गाड़ी चालक 200 से 250 किलोमीटर तक गाड़ी चलाते हैं। सीएनजी महंगी होने का सीधा असर हमारी जेब पर पड़ता है। एप का किराया वही रहता है, लेकिन ईंधन का खर्च बढ़ जाता है। -सुदेश

करीब चार रुपये किलो की बढ़ोतरी छोटी लगती है, लेकिन नोएडा-दिल्ली रूट पर कैब चलाने में कई किलो गैस की खपत होती है। महीने भर का हिसाब लगाएं तो दो हजार रुपये से ज्यादा खर्च करने पड़ेंगे। -अनिल

सीएनजी गाड़ी की ईएमआई, सर्विस और घर का खर्च सब निकालना पड़ता है। किराया नहीं बढ़ रहा, लेकिन खर्च बढ़ता ही जा रहा है। आखिर इसका बोझ चालक ही क्यों उठाएं? -इमरान अहमद

पहले पेट्रोल महंगा था तो सीएनजी को सस्ता विकल्प मानकर गाड़ी ली थी। अब सीएनजी भी लगातार महंगी हो रही है। महीने के अंत में कमाई और खर्च का अंतर कम होता जा रहा है। -उत्सव ईंधन की बढ़ती कीमत और लंबे समय से निर्धारित किराये में संशोधन नहीं होने से नाराज ऑटो-टैक्सी चालक संगठनों ने दिल्ली-एनसीआर में हड़ताल की चेतावनी दी है। अलग-अलग संगठनों ने सात से नौ सितंबर के बीच हड़ताल की घोषणा की है।

जिले के विद्यार्थी अब शहर की समस्याओं पर करेंगे शोध

फरीदाबाद। शहर की स्थानीय समस्याओं को अब स्कूली विद्यार्थी भी अपने शोध और प्रयोग का विषय बना सकेंगे। कक्षा 9वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को शोध, नवाचार और समस्या के समाधान से जोड़ने की दिशा में पहल की जा रही है।

इसके तहत विद्यार्थी अपने आसपास की समस्याओं का अध्ययन कर उनके व्यावहारिक समाधान खोजने के लिए परियोजनाएं तैयार कर सकेंगे। जिले में प्रदूषण, यातायात जाम, जलभराव, कचरा प्रबंधन, पेयजल, जल संरक्षण और हरित क्षेत्र से जुड़े कई मुद्दे हैं। विद्यार्थी इन समस्याओं को समझने के लिए अपने स्तर पर सर्वे कर सकते हैं और आंकड़े जुटाकर उनके आधार पर शोध परियोजना तैयार कर सकते हैं।

उदाहरण के तौर पर बरसात के दौरान एनआईटी, बल्लभगढ़ और औद्योगिक क्षेत्रों में होने वाले जलभराव, प्रमुख सड़कों पर लगने वाले जाम तथा शहर में बढ़ते प्रदूषण को शोध का विषय बनाया जा सकता है।

इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल किताबों तक सीमित रखने के बजाय उन्हें वास्तविक समस्याओं से जोड़ना है। बेहतर परियोजनाओं के लिए विद्यार्थियों को आर्थिक सहायता और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन मिल सकता है। इससे छात्र अपने विचारों को मॉडल, प्रयोग या शोध के रूप में विकसित कर सकेंगे। शिक्षकों की मदद से विद्यार्थी समस्या का चयन, सर्वे, आंकड़ों का अध्ययन और समाधान तैयार करने की प्रक्रिया सीखेंगे। इससे उनमें वैज्ञानिक सोच, रचनात्मकता और आत्मविश्वास बढ़ेगा। शिक्षा विभाग के अधिकारियों का कहना है कि फरीदाबाद एक औद्योगिक और तेजी से विकसित होता शहर है। ऐसे में स्थानीय समस्याओं पर विद्यार्थियों की भागीदारी शहर के लिए उपयोगी साबित हो सकती है। युवाओं के नए विचारों से प्रदूषण कम करने, पानी बचाने, कचरा प्रबंधन सुधारने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के नए उपाय सामने आ सकते हैं।

आदित्य वर्ल्ड सिटी से एनएच-9 तक सड़क बदहाल, लोग परेशान

गाजियाबाद। आदित्य वर्ल्ड सिटी से मुख्य मार्ग एनएच-9 तक जाने वाली सड़क बदहाल हो गई है। इससे क्षेत्रवासियों में रोष है। उन्होंने इसके जल्द मरम्मत की मांग की है।

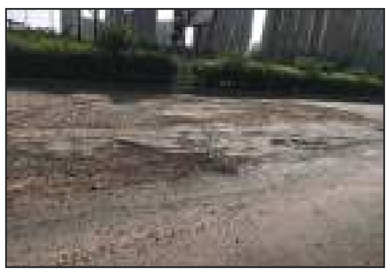

लक्सूरिया एस्टेट से शैलेश पांडेय का कहना है कि इस मार्ग पर सेंट जेवियर स्कूल भी स्थित है, इसके कारण सुबह और दोपहर में स्कूली बसों के साथ बड़ी संख्या में बच्चे साइकिल, स्कूटर और अन्य साधनों से आवागमन करते हैं। खराब सड़क और यातायात के दबाव के कारण आए दिन छोटी-बड़ी दुर्घटनाओं की स्थिति उत्पन्न हो रही है। सिटी अपार्टमेंट से ओमेंद्र सिंह का कहना है कि यह केवल सड़क की मरम्मत का विषय नहीं, बल्कि सैकड़ों स्कूली बच्चों और प्रतिदिन इस मार्ग से गुजरने वाले हजारों लोगों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। गंभीर समस्या को लक्सूरिया एस्टेट से सचिन त्यागी, प्रदीप शर्मा एवं कुलदीप चौधरी, सिटी अपार्टमेंट से दीपक माहेश्वरी और व्हाइट कॉटेज से अमित सिंह, संजीव सिंह सहित अन्य स्थानीय निवासियों ने प्रमुखता से उठाया है। निवासियों ने संबंधित प्रबंधन एवं जिम्मेदार अधिकारियों से अनुरोध किया है कि सड़क की स्थिति का तत्काल निरीक्षण कराकर सड़क की मरम्मत कराई जाए।

जिलाधिकारी ने स्वाइन फ्लू से निपटने की तैयारी परखी, एमएमजी में 10 बेड का वार्ड देखा

गाजियाबाद। जिले में स्वाइन फ्लू के बढ़ते मामलों के बीच स्वास्थ्य विभाग ने अस्पतालों में तैयारियां तेज कर दी हैं। शनिवार को जिलाधिकारी रविंद्र मांदड़ ने एमएमजी अस्पताल का निरीक्षण कर स्वाइन फ्लू मरीजों के लिए की गई व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने ब्लॉक ए में बनाए गए 10 बेड के स्वाइन फ्लू वार्ड के साथ इमरजेंसी और महिला वार्ड का निरीक्षण किया। डीएम ने अधिकारियों को मरीजों की जांच और उपचार में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी दोपहर करीब तीन बजे अस्पताल पहुंचे। उन्होंने सबसे पहले इमरजेंसी में ऑक्सीजन, जरूरी दवाओं, डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों की तैनाती समेत अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इसके बाद महिला वार्ड में भर्ती मरीजों और तीमारदारों से बातचीत कर स्वास्थ्य सेवाओं, दवाओं की उपलब्धता और उपचार व्यवस्था का फीडबैक लिया। डीएम ने ब्लॉक ए में बनाए गए 10 बेड के स्वाइन फ्लू वार्ड का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्वास्थ्य अधिकारियों से वार्ड में उपलब्ध सुविधाओं और दवाओं की स्थिति के बारे में जानकारी ली।

चाचा-भतीजे पर सरेराह हमला, बाइक भी फूंकी

गाजियाबाद। विजयनगर थानाक्षेत्र के प्रताप विहार में शुक्रवार रात करीब 11 बजे बाइक से घर लौट रहे चाचा-भतीजे को पांच-छह अज्ञात युवकों ने रोककर गाली-गलौज की। विरोध करने पर ईंट-पत्थर से हमला कर दिया। मौके से भागकर चाचा-भतीजे ने जान बचाई। आरोपियों ने घायलों की बाइक में आग लगा दी। शोर शराबा होने पर चीता मोबाइल मौके पर पहुंची हालांकि उस समय आरोपी मौके से भाग गए। घायल भतीजे ने अज्ञात पांच-छह युवकों के खिलाफ विजयनगर थाने में तहरीर दी है। प्रताप विहार निवासी बीसीए प्रथम वर्ष के छात्र कुनाल वरुण के मुताबिक वह अपने चाचा हर्षित वरुण के साथ दादा की दवाई लेने शुक्रवार की रात बाजार गए थे। जब वह दवाई लेकर बाइक से घर लौटने लगे तो डी-ब्लॉक के गेट पर उन्हें पांच-छह युवकों ने रोककर अभद्रता की। विरोध करने पर एक आरोपी ने हर्षित और कुनाल वरुण पर हमला कर दिया। इससे दोनों लहूलुहान हो गए। आरोप है कि सभी ने दोनों की लात-घूंसों और डंडों से पिटाई की। लहूलुहान हालत में दोनों घायल बाइक छोड़कर भागने लगे। कुछ दूरी पर उन्हें पुलिस की चीता मोबाइल रास्ते में मिली तो उसे सूचना दी। पुलिस उनके साथ मौके पर पहुंची, लेकिन इससे पहले ही आरोपी उनकी बाइक में आग लगाकर भाग चुके थे। एसीपी नगर कोतवाली उपासना पांडेय ने बताया कि घायलों की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया जा रहा है। सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

लेनदेन के विवाद में चालक पर जानलेवा हमला, गले पर आए 22 टांके

साहिबाबाद। थानाक्षेत्र के श्याम पार्क एक्सटेंशन निवासी दीपक कुमार पर चाकू से जानलेवा हमले के मामले में परिजन ने पुलिस पर हल्की धाराओं में मामला दर्ज करने का आरोप लगाया है। जबकि परिजन का कहना है कि घायल की गर्दन पर 22 टांके आए हैं। उधर, पुलिस का कहना है कि मामले की जांच चल रही है और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर गंभीर धाराएं जोड़ी जाएंगी। आरोपी की गिरफ्तारी को बिहार के लिए पुलिस रवाना हो गई है।

श्याम पार्क एक्सटेंशन के रहने वाले विनय कुमार ने बताया कि उनका भाई दीपक एक कंपनी में चालक है। 20 अगस्त को वह किसी काम से बाजार गए थे और वहां पर नंदन ने रंजिश रखते हुए चाकू से गर्दन पर जानलेवा हमला करके घायल कर दिया था। उसे अस्पताल में गंभीर हालत में भर्ती कराया गया और गर्दन पर 22 टांके आए थे। अब तक पुलिस ने आरोपियों पर हल्की धाराएं लगाई गई है।

भाई विनय ने बताया कि दीपक ने छह महीने पहले नंदन से 1500 रुपये उधार लिए थे, इसे लेकर उनके बीच कई बार विवाद भी हुआ तो बाद में रुपये लौटा दिए गए थे। आरोप है कि इसके बाद नंदन उनके भाई से रंजिश रखता था और इसी वजह से जानलेवा हमला किया था। पुलिस को इस मामले में बीएनएस की धारा 109 में रिपोर्ट दर्ज करनी चाहिए थी.

मामले की गहनता से जांच की जा रही है और भागे हुए आरोपी की लोकेशन बिहार में मिली है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीम बिहार के लिए रवाना हो गई है। मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर विवेचना में धाराएं भी बढ़ा दी जाएंगी।

फ्लाईओवर के नीचे छिपा है 18वीं सदी की सराय का इतिहास, विरासत स्थल घोषित करने की तैयारी

नई दिल्ली: राजधानी की भागती सड़कों, फ्लाईओवर और कंक्रीट के बीच इतिहास की पुरानी कहानी सामने आ रही है। मथुरा रोड स्थित मोदी मिल फ्लाईओवर के नीचे हरियाली के बीच मौजूद खंडहरों को 18वीं सदी की ह्यसराय जुलियानाह्ल के संभावित अवशेष के तौर पर पहचाना गया है।

खोजकर्ताओं के अनुसार, यह सराय पुर्तगाली मूल की डोना जुलियाना डियास दा कोस्टा ने वर्ष 1720 में बनवाई थी। मुगल दरबार में खास प्रभाव रखने वाली जुलियाना का नाम सराय से जुड़ना इसे ऐतिहासिक रूप से महत्वपूर्ण बनाता है।

एमसीडी हेरिटेज सेल के सदस्य सचिव डॉ. अकील अहमद के मुताबिक, 17वीं और 18वीं शताब्दी में इस मार्ग से व्यापारी, सैनिक, अधिकारी, तीर्थयात्री और यूरोपीय यात्री आवाजाही करते थे।

ऐसे मार्गों पर यात्रियों और उनके पशुओं के ठहरने के लिए कुएं, पेड़, कोस मीनार और सराय बनाई जाती थीं। अवशेषों से संकेत मिलता है कि सराय जुलियाना छोटा पड़ाव नहीं, बल्कि बड़ा परिसर रही होगी। यहां कम से कम 15 कमरों, पशुओं के लिए अलग स्थान और शाकाहारी व मांसाहारी यात्रियों के लिए रसोई हैं।

खंडहरों के पास मौजूद गोलाकार कुआं इस पहचान की अहम कड़ी माना जा रहा है। इसके ऊपरी हिस्से की मरम्मत सीमेंट से की गई है और लोहे की जाली लगाई गई है, लेकिन अंदर की पुरानी संरचना अब भी दिखाई देती है। कुएं में पानी भी मौजूद है। परिसर के अवशेषों में मुगलकालीन निर्माण में इस्तेमाल होने वाली लाखौरी ईंटें मिली हैं, जो इसकी प्राचीनता की ओर संकेत करती हैं।

डोना जुलियाना डियास दा कोस्टा (1658-1734) पुर्तगाली मूल की महिला थीं और उनका जन्म दिल्ली में माना जाता है। उनके परिवार की पृष्ठभूमि को लेकर इतिहासकारों में अलग-अलग मत हैं। उनके पिता अगोस्टिन्हो डियास दा कोस्टा पुर्तगाली चिकित्सक थे और मुगल दरबार से जुड़े थे।

जुलियाना ने शाही परिवार की सेवा करते हुए राजकुमार शाह आलम के परिवार में प्रभाव बनाया। 1707 में शाह आलम के बहादुर शाह प्रथम बनने के बाद दरबार में उनका रुतबा और बढ़ा। ऐतिहासिक विवरणों के अनुसार, वह इतनी प्रभावशाली थीं कि बहादुर शाह के सैन्य अभियानों में हाथी पर उनके साथ जाती थीं।

धोखाधड़ी में बिल्डर समेत छह आरोपियों की जमानत खारिज

गाजियाबाद। राजनगर एक्सटेंशन में फ्लैट और दुकान बुक कराने के नाम पर निवेशकों से करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी के मामले में बिल्डर समेत छह आरोपियों की जमानत अर्जी खारिज कर दी। सभी आरोपी फिलहाल जिला कारागार में ही रहेंगे। मामले में पुलिस की जांच जारी है और निवेशकों से ली गई रकम के लेनदेन से जुड़े बैंक खातों की पड़ताल की जा रही है। जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान आरोपी पक्ष की ओर से अदालत से राहत देने की मांग की गई। वहीं, मामले की गंभीरता और जांच के दौरान सामने आए तथ्यों का हवाला देते हुए जमानत का विरोध किया गया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने संदीप कुमार गुप्ता, प्रवीण कुमार गुप्ता, मानसी प्रकाश, सुरभि शर्मा, हनी गिल और प्रेम गिल की जमानत अर्जी खारिज कर दी। पुलिस के अनुसार मामले की जांच में निवेशकों से ली गई रकम के लेनदेन की कड़ियों को जोड़ा जा रहा है। अब तक कई बैंक खातों से हुए लेनदेन की पड़ताल की जा चुकी है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि निवेशकों से प्राप्त रकम किन किन खातों में भेजी गई और बाद में उसका इस्तेमाल किस तरह किया गया। इधर, मामले को लेकर निवेशकों का आंदोलन भी जारी है। शनिवार को राजनगर एक्सटेंशन में पीड़ित निवेशकों ने धरना दिया। उनका कहना है कि केवल आरोपियों की गिरफ्तारी ही उददेश्य नहीं है। वे फजीवाड़े में गई रकम की बरामदगी और दोषियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। निवेशकों ने भागे हुए आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग भी दोहराई।

स्पीकर बनाने की फैक्टरी में आग, दो दिन पहले ही कराया काम शुरू

साहिबाबाद। साइट-4 औद्योगिक क्षेत्र स्थित अंबिका स्टील के सामने स्थित साउंड स्पीकर बनाने की तीन मंजिला फैक्टरी में शनिवार शाम पौने छह बजे आग लग गई। सूचना के बाद दमकल की 14 गाड़ियां मौके पर पहुंची। वहीं नोएडा से आया एक आर्टक्लोटिंग टॉवर ने दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। 15 दिन पहले ही दिल्ली के कारोबारी ने इस फैक्टरी को खरीदा था।

दिल्ली के जगतपुरी निवासी मनोज गुप्ता ने बताया कि उन्होंने 15 दिन पहले ही पांडा कंपनी के मालिक अमित जैन से यह फैक्टरी खरीदी थी। बृहस्पतिवार को परिवार के सभी सदस्यों ने पूजन कर काम शुभारंभ किया था। उनका कहना है कि करीब दो हजार वर्गगज में अपैक्स टॉनिक्स प्राइवेट लिमिटेड फर्म है जो अब साउंड स्पीकर बनाने का काम करती है। मनोज के मुताबिक अभी फैक्टरी में पूरा सामान पहुंचा भी नहीं था, लेकिन इससे पहले ही आग से उनका करोड़ों का नुकसान हो गया है।

उन्होंने बताया कि शाम करीब पौने छह बजे अचानक तीसरी मंजिल से धुआं दिखा और आग की पलटें निकलने लगीं। गनीमत रही कि आग ग्राउंड फ्लोर व पहली मंजिल पर नहीं लगी। अगर इन दोनों स्थानों पर भी आग लगती तो यहां रखा सामान भी जलकर राख हो सकता था। इसकी सूचना दमकल विभाग को दी गई तो 10 मिनट बाद ही दमकल की टीम 14 फायर टेंडर लेकर मौके पर पहुंच गई और आग बुझाने का काम शुरू कर दिया। देर शाम करीब 8 बजे तक आग पर काबू पाया जा सका।

शुरूआती जांच में शॉर्ट सर्किट है मुख्य कारण: सीएफओ ने बताया कि प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की संभावना है। हालांकि आग के कारणों की जांच की जा रही है। फैक्टरी से धुआं उठता देखकर लोगों ने घटना की सूचना पुलिस और दमकल कर्मियों को दी। वहीं, आग बुझने के आधा घंटे तक कूलिंग कार्य मौके पर किया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि आग काफी विकराल थी। इसकी लपटें बाहर तक आ रही थी। आसपास की फैक्टरी में काम करने वाले लोगों को भी बाहर निकाला गया, ताकि कोई बड़ी घटना न हो जाए।

प्रधानमंत्री के नाम का शिलापट गायब, पांच घंटे चला सर्च ऑपरेशन तो प्रबंधक के कमरे में मिला

गाजियाबाद। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ यूनानी मेडिसिन (एनआईयूएम) से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम वाला शिलापट गायब होने की शिकायत ने शनिवार को संस्थान में हलचल मचा दी। पूर्व कर्मचारी की शिकायत पर मधुबन बापूधाम थाना पुलिस ने करीब पांच घंटे तक परिसर खंगाला। आखिरकार शिलापट प्रबंधक के कमरे में मिल गया। पुलिस ने उसे कब्जे में लेकर थाने में सुरक्षित रखवा दिया है। मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

एनआईयूएम के पूर्व सहायक प्रशासनिक अधिकारी अमित कुमार उपाध्याय ने शिकायत में आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री के नाम वाला शिलापट संस्थान परिसर और मुख्य गेट से हटा दिया गया है। उन्होंने मामले की शिकायत प्रधानमंत्री कार्यालय, मुख्यमंत्री पोर्टल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, आयुष मंत्रालय और बाद में पुलिस आयुक्त जे. रविंदर गौड़ से भी की थी।

अमित कुमार उपाध्याय के मुताबिक, 11 दिसंबर 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गोवा से गाजियाबाद समेत देशभर के पांच एनआईयूएम संस्थानों का ऑनलाइन शिलान्यास किया था। शिलान्यास के बाद संस्थान परिसर और मुख्य गेट पर प्रधानमंत्री के नाम वाला शिलापट लगाया गया था। उनका आरोप है कि मार्च 2026 में संस्थान के प्रबंधक ने शिलापट हटवाकर उसे ज्वाइंट डायरेक्टर के कमरे में रखवा दिया।

इसकी पहली शिकायत उन्होंने जुलाई में आयुष मंत्रालय में की थी। इसके बाद 22 अगस्त को प्रधानमंत्री कार्यालय, मुख्यमंत्री पोर्टल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और पुलिस आयुक्त से शिकायत की।

एसीपी कविनगर सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि शिकायत के आधार पर मधुबन बापूधाम थाने से पुलिस टीम को एनआईयूएम भेजा गया था। बरामद शिलापट को थाने में सुरक्षित रखवाया गया है। जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एनआईयूएम प्रबंधक प्रो. शाह आलम ने शिलापट गायब करने के आरोपों को खारिज करते हुए पुलिस को मिला शिलापट अधोमानक बताया। उनका कहना है कि पहले लगे शिलापट में सफेद पत्थर पर काली स्याही से लिखा हुआ था। आयुष मंत्रालय के निदेशों के मुताबिक प्रधानमंत्री का शिलापट काले रंग का और उस पर लिखावट सफेद होनी चाहिए।

प्रबंधक के मुताबिक, मंत्रालय से पत्राचार के बाद नया शिलापट तैयार कराकर परिसर में लगवाया गया। उनका यह भी कहना है कि शिकायतकर्ता पूर्व में एनआईयूएम में तैनात थे और विभागीय विवाद के चलते निलंबित किए गए थे। हालांकि, शिकायतकर्ता का कहना है कि नया शिलापट पुलिस से शिकायत के बाद 25 अगस्त की रात को लगा। वहीं, एसीपी कविनगर का कहना है कि निरीक्षण के दौरान कोई शिलापट लगा नहीं दिखा।

किडनी रोग से पीड़ित बच्चों के दिल को बचाएगी सही डाइट, अध्ययन में मिले अच्छे संकेत

नई दिल्ली: लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज और कलावती सरन बाल चिकित्सालय के डॉक्टरों के एक अध्ययन में महत्वपूर्ण खुलासा हुआ है। इस शोध के अनुसार, सही खानपान, नियमित शारीरिक गतिविधि और दवाओं से किडनी की गंभीर बीमारी से जूझ रहे बच्चों में हृदय संबंधी रोगों का खतरा कम किया जा सकता है। यह अध्ययन स्टेरॉयड रेजिस्टेंट नेफ्रोटिक सिंड्रोम (एसआरएनएस) से पीड़ित 4 से 18 साल के 34 बच्चों पर 12 सप्ताह तक किया गया।

सआरएनएस में किडनी शरीर के लिए जरूरी प्रोटीन को पेशाब के रास्ते बाहर निकालती है, जिससे कुछ बच्चों में कोलेस्ट्रॉल बढ़ा रह सकता है। बाल रोग विभाग की डॉ. वंशिका कक्कड़ ने बताया कि लंबे समय तक बढ़ा कोलेस्ट्रॉल रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचकर दिल की बीमारियों का जोखिम बढ़ाता है। अध्ययन में बच्चों के खानपान में बदलाव किया गया, जिसमें संतृप्त वसा और कोलेस्ट्रॉल कम किए गए। उन्हें रोजाना दो घंटे से कम स्क्रीन समय और कम से कम एक घंटा खेलने या व्यायाम करने की सलाह दी गई।

जिन बच्चों में खराब कोलेस्ट्रॉल (एलडीएल) का स्तर 160 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर से अधिक था, उन्हें डॉक्टरों की निगरानी में एटोरवास्टेटिन दी गई। बाल रोग विभाग के डॉ. अभिजीत साहा ने बताया कि 12 सप्ताह बाद बच्चों के कुल कोलेस्ट्रॉल, एलडीएल और ट्राइग्लिसराइड्स में कमी आई। रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचने वाले संकेतकों में भी सुधार दर्ज किया गया।

अध्ययन की शुरूआत में करीब 41 प्रतिशत बच्चों का रक्तचाप बढ़ा हुआ था। 12 सप्ताह के जीवनशैली बदलाव और इलाज के बाद इसमें सुधार देखा गया।

दवा के साथ स्वस्थ जीवनशैली भी जरूरी

सुचेता कृपलानी अस्पताल की पैथोलॉजी विभाग की डॉ. सुनीता शर्मा ने कहा, एसआरएनएस से पीड़ित बच्चों के इलाज में केवल दवाओं पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। बच्चों के भोजन की नियमित निगरानी, शारीरिक गतिविधि और वजन व रक्तचाप पर नजर रखना भी जरूरी है। उन्होंने बताया कि एटोरवास्टेटिन दवा बच्चों में सुरक्षित पाई गई और कोई दुष्प्रभाव सामने नहीं आए। माता-पिता को बच्चों की आहार योजना तय करने में डॉक्टर और डाइटीशियन की सलाह लेनी चाहिए। बच्चों को मोबाइल और टीवी से दूर रखकर खेलकूद के लिए प्रोत्साहित करना भी फायदेमंद हो सकता है।

जासूसी के नए तरीके ने बढ़ाई सुरक्षा एजेंसियों की चिंता, भारतीय नंबर बन रहे आईएसआई नेटवर्क का गेटवे

नई दिल्ली, एजेंसी। जासूसी के तौर-तरीकों में तेजी से बदलाव सुरक्षा एजेंसियों के लिए नई चुनौती बनकर सामने आ रहा है। अब जासूसों के लिए जरूरी नहीं कि वे किसी संवेदनशील इलाके में जाकर सीधे संपर्क स्थापित करें। इंटरनेट मीडिया के जरिए घर बैठे किसी व्यक्ति से दोस्ती करना और धीरे-धीरे उसे अपने प्रभाव में लेना भी जासूसी नेटवर्क का हिस्सा हो सकता है। जांच से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, ऐसे मामलों में शुरुआत में बातचीत पूरी तरह सामान्य दिखाई देती है। सामने वाला व्यक्ति दोस्ती, रोजगार, आर्थिक मदद या किसी साझा रुचि के बहाने संपर्क बढ़ा सकता है। कुछ समय तक बातचीत के जरिए विश्वास कायम करने के बाद धीरे-धीरे ऐसे अनुरोध किए जा सकते हैं, जिनका संबंध संवेदनशील सूचनाओं या गतिविधियों से हो।

भारतीय नंबर बना गेटवे: दंपती की गिरफ्तारी के बाद जांच में सामने आया कि पाकिस्तानी हैंडलर्स ने इन इंडियन मोबाइल नंबरों की मदद से कुछ भारतीय वाट्सऐप ग्रुप्स में एंट्री लेने की कोशिश की। इन ग्रुप्स में शामिल लोगों से संपर्क बढ़ाना और ग्रुप में साझा होने वाली जानकारी को हासिल करना नेटवर्क का मकसद बताया जा रहा है। भारतीय नंबर होने के कारण सामने वाले व्यक्ति को इस बात का अंदाजा नहीं होता था कि दूसरी तरफ से चैट करने वाला व्यक्ति पाकिस्तान में बैठा हो सकता है। इस तरह मोबाइल नंबर नेटवर्क के लिए एक तरह का %गेटवे% बन गए।

नोएडा में कॉल सेंटर में नौकरी करती थी समीरा: गिरफ्तार साहिल का जन्म 2001 में हुआ था। इग्नू से बीए करने के बाद उसने एलएलबी करने की योजना बनाते हुए एक वकील के साथ काम करना शुरू किया। बीते वर्ष जून उसने नौकरी छोड़ दी और तब से वह बेरोजगार है। उसके पिता मोहम्मद असफाक 1982 में अपने गृहनगर बदायूं से दिल्ली आ गए थे और दिल्ली के सराय काले खां में बस गए, जहां वे कार मैकेनिक का काम करते हैं। वहीं समीरा का जन्म 2005 में हुआ था। दिल्ली से 12वीं की पढ़ाई पूरी करने के बाद, उसने पत्राचार से बीए किया। गिरफ्तारी से पहले, वह नोएडा के एक काल सेंटर में काम करती थी। उसके पिता नदीम 1996 में अपने गृहनगर बिजनौर से दिल्ली आए और शकूरपुर में बस गए। वे शकूरपुर के स्थानीय बाजारों में कोल्ड ड्रिंक्स और पानी की बोतलें सप्लाई करते हैं।

डिजिटल पहचान की जांच बनी चुनौती: सुरक्षा एजेंसियों के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इंटरनेट मीडिया पर इस्तेमाल की जा रही पहचान वास्तविक है या नहीं, इसका पता लगाना आसान नहीं होता। फर्जी नाम, तस्वीर और प्रोफाइल के जरिए लंबे समय तक किसी व्यक्ति से संपर्क बनाए रखा जा सकता है। बातचीत आगे बढ़ने पर मोबाइल फोन, मैसेजिंग एप और डिजिटल लेन-देन से जुड़े साक्ष्य जांच का अहम हिस्सा बन जाते हैं। जांच एजेंसियों की नजर में किसी संवेदनशील स्थान की तस्वीर, आवाजाही की जानकारी, किसी अधिकारी या संस्थान से जुड़ी सामान्य दिखने वाली सूचना भी महत्वपूर्ण हो सकती है। इसी कारण डिजिटल फोरेंसिक अब जासूसी मामलों की जांच में अहम भूमिका निभा रहा है।

सैफ अली खान पर हमले में बड़ा अपडेट, गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिक ने जुर्म कबूल करने की इच्छा जताई

मुंबई, एजेंसी। अभिनेता सैफ अली खान को जनवरी 2025 में बांद्रा स्थित उनके घर पर चाकू मारने के आरोप में गिरफ्तार बांग्लादेशी नागरिक ने शुक्रवार को यहां की अदालत का रुख किया और मामले में अपना अपराध स्वीकार करने की इच्छा जताई। घटना के दो दिन बाद गिरफ्तार किए गए मोहम्मद शरीफुल इस्लाम अभी न्यायिक हिरासत में हैं। उनके वकील विपुल दुशिंग ने बताया कि उन्होंने गुनाह कबूल करने की इच्छा जताते हुए अदालत से नरमी बरतने की अपील की है। अदालत ने अभियोजन पक्ष से जवाब दाखिल करने को कहा और सुनवाई 11 सितंबर तक के लिए टाल दी। इस महीने की शुरुआत में, अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश जी पी देशमुख ने इस्लाम के खिलाफ आरोप तय किए थे, जिससे मुकदमे का रास्ता साफ हो गया। उन पर भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे।16 जनवरी 2025 को बांद्रा के पाश इलाके में स्थित 12वीं मंजिल के अपार्टमेंट के अंदर खान पर हमला हुआ था। 54 वर्षीय अभिनेता की लीलावती अस्पताल में इमरजेंसी सर्जरी हुई थी और पांच दिन बाद उन्हें छुट्टी दे दी गई थी।

क्या तमिलनाडु के वित्त मंत्री इंग्लैंड के राजा हैं, मद्रास हाई कोर्ट ने लगाई टीवीके नेता को फटकार

चेन्नई, एजेंसी। मद्रास हाईकोर्ट ने तमिलनाडु के वित्त मंत्री मैरी विल्सन को पुडुचेरी की कोर्ट में पेश होने से छूट मांगने पर कड़ी फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा कि वित्त मंत्री इंग्लैंड के राजा नहीं हैं जो अदालत में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने से छूट मांग सकें। दरअसल, तमिलनाडु के वित्त मंत्री और टीवीके नेता मैरी विल्सन पर 2022 में अपने भाई और भाभी के साथ मारपीट करने का आरोप है। वित्त मंत्री ने इस मामले पुडुचेरी की निचली अदालत में पेश न होने की अनुमति मांगते हुए हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। सुनवाई के दौरान विल्सन के वकील ने तर्क दिया कि राज्य विधानसभा का सत्र चल रहा है, इसलिए उन्हें पेशी से छूट दी जानी चाहिए।

क्या वो इंग्लैंड के राजा हैं: अदालत ने इस दलील को सिरे से खारिज कर दिया। न्यायमूर्ति लक्ष्मीनारायणन ने इस दलील को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने पूछा कि क्या तमिलनाडु के वित्त मंत्री मैरी विल्सन इंग्लैंड के राजा हैं जो कोर्ट में पेश नहीं हो रहे? न्यायमूर्ति लक्ष्मीनारायणन ने पूर्व उदाहरण देते हुए कहा कि पी.वी. नरसिम्हा राव ने भी प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए अदालत में उपस्थित होकर कानूनी प्रक्रिया का सामना किया था, इसलिए जनप्रतिनिधि कानून से ऊपर नहीं।

क्या वह मना कर सकते हैं: कोर्ट ने सवाल किया कि जब मैरी विल्सन मंत्री बनने से पहले अदालत में पेश हो चुके हैं, तो क्या मंत्री बनने के बाद वह अदालत में पेश होने से इनकार कर सकते हैं? हाई कोर्ट ने मंत्री के वकील से कहा कि वह अदालत को उस तारीख की जानकारी दें, जब विल्सन पुडुचेरी की अदालत में पेश होंगे।

सरकार के उपाय नहीं आ रहे काम, बढ़ने लगे प्याज के दाम, 80 रुपये किलो तक पहुंचा भाव

लखनऊ, पटना, एजेंसी। सावन में घटी हुई मांग और पर्याप्त आपूर्ति ने प्याज की कीमतों को थोक में नियंत्रण में रखा, परंतु रिटेल में व्यापारी मुनाफाखोरी करने से नहीं चूक रहे।

नासिक में प्याज के पुराने स्टॉक की कमी का असर अब बाजार पर दिखने लगा है। कीमतों पर नियंत्रण के सरकार के उपाय काम नहीं आ रहे और देश के अलग-अलग राज्यों में प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है।

दिल्ली-एनसीआर में खुदरा प्याज 50 से 55 रुपये किलो बिक रहा है, लेकिन खुले बाजार में 60 से 70 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। कुछ राज्यों में प्याज के दाम 80 रुपये तक पहुंच गए हैं।

कानपुर की चकरपुर मंडी में प्याज की रोजाना आवक 6.50 लाख किलो से घटकर पांच लाख किलो रह गई है, जिससे थोक भाव बढ़कर 42-45 रुपये

किलो पहुंच गया है। चकरपुर मंडी सब्जी व्यापार मंडल के अध्यक्ष सौरभ पांडेय ने बताया कि बीते तीन दिन में ही लगभग 10 रुपये तक भाव बढ़ चुके हैं।

अब मध्य प्रदेश के शिवपुरी व राजस्थान के अलवर से ट्रकों से सीमित मात्रा में प्याज आ रहा है। नई फसल की आवक शुरू होने तक बाजार में तेजी रहेगी। आगरा की सिकंदरा मंडी में नासिक से रोज करीब 15 ट्रक प्याज (तीन लाख किलो) आने के कारण थोक भाव फिलहाल 40 रुपये किलो बना हुआ है। आढ़तिया मनोज कालरा का कहना है कि अगले सप्ताह से मांग बढ़ी तो कीमतों में कुछ वृद्धि देखने को मिल सकती है। कानपुर की चकरपुर मंडी में अभी तक हर दिन 6.50 लाख किलोग्राम प्याज की आपूर्ति हो रही थी, लेकिन बीते 10 दिनों से यह पांच लाख किलो ही रह गई है। यहां से पूर्वांचल के जिलों तक प्याज की आपूर्ति की जाती है, जबकि लगभग 50 टन यानी 50 हजार किलो माल की खपत कानपुर व आसपास के जिलों में होती है।

वर्तमान में मंडी में प्याज का थोक भाव बढ़कर 42 से 45 रुपये किलो तक पहुंच गया है, जो बुधवार को 35 से 40 रुपये था। आवक कम होने से प्याज के दाम 10 रुपये प्रतिकिलो बढ़ सकते हैं।

बंगाल में दो सप्ताह पहले जो प्याज 30 से 35 रुपये प्रति किलो तक बिक रहा था, लेकिन इन दिनों 70 से 80 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। राजस्थान में प्याज की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। इसकी कीमत 50 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गई है।

जम्मू में प्याज की कीमत 60 रुपये प्रति किलो है। प्याज की कीमतों में पिछले 15 दिन में 20 से 25 रुपये की बढ़ोतरी आ चुकी है। देहरादून मंडी में प्याज 60 रुपये प्रति किलो है। हरिद्वार की ज्वालापुर मंडी में प्याज 50 रुपये प्रति किलो है। हल्द्वानी मंडी में प्याज 46 से 50 रुपये प्रति किलो है, ऊधम सिंह नगर की रुद्रपुर मंडी में प्याज 35 से 40 रुपये प्रति किलो है। पटना के मीठापुर व बाजार समिति में शुक्रवार को प्याज 55 रुपये प्रति किलो में बिकी। रांची में खुदरा प्याज 55-60 रुपये प्रति किलो बिक रही है। हिमाचल प्रदेश में प्याज के औसत दाम 60 रुपये प्रति किलोग्राम है। मध्य प्रदेश की मंडियों में सामान्य घरों में उपयोग किया जाने वाला प्याज 40 रुपये किलो में बिक रहा है।

विश्व बैंक एमडी डोनोहोई ने सराही उत्तराखंड की 24 घंटे जलापूर्ति योजना, 5 लाख से अधिक लोगों को मिला लाभ

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड में विश्व बैंक से वित्त पोषित विभिन्न योजनाओं के परिणाम का बैंक की टीम इन दिनों जायजा ले रही है। विश्व बैंक के प्रबंध निदेशक पास्कल डोनोहोई की अगुआई में आई इस टीम ने राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के दौरे के बाद देहरादून के खदरी खड़कमाफी क्षेत्र का दौरा किया। इस दौरान डोनोहोई ने क्षेत्र में जलापूर्ति व्यवस्था को देखा। ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि पेयजल योजना से उन्हें 24 घंटे जलापूर्ति हो रही है। डोनोहोई ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट में इस क्षेत्र के अनुभव साझा करते हुए कहा कि 24 घंटे जलापूर्ति ने जिंदगी की तस्वीर बदली है। उन्होंने कहा कि समूचे उत्तराखंड में विश्व बैंक की साझेदारी ने पांच लाख से अधिक लोगों तक विश्वसनीय जलापूर्ति पहुंचाने में मदद की है।

विश्व बैंक के प्रबंध निदेशक पास्कल डोनोहोई ने किया दौरा: विश्व बैंक से वित्त पोषित उत्तराखंड अर्द्ध नगरीय क्षेत्र कार्यक्रम के अंतर्गत डोईवाला क्षेत्र के खदरी खड़कमाफी के लिए वर्ष 2019 में पेयजल योजना स्वीकृत हुई, जो वर्ष 2021 में पूरी हुई।

तब से इस क्षेत्र के निवासियों की पेयजल से जुड़ी दिक्कत दूर हो गई है। विश्व बैंक के प्रबंध निदेशक डोनोहाई ने गत दिवस अपर सचिव पेयजल झरना कमठान समेत अन्य अधिकारियों के साथ इस क्षेत्र का दौरा कर ग्रामीणों से बातचीत में पेयजल व्यवस्था के बारे में विस्तार से जानकारी ली। उन्होंने कहा कि पेयजल योजना बनने के बाद इस क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आया है।

डोनोहोई ने एक्स पर किया पोस्ट: डोनोहोई ने एक्स पर पोस्ट में अपने इस दौरे का उल्लेख करते हुए सवाल किया कि जब परिवार हर दिन सुरक्षित पानी पर भरोसा कर सकते हैं, तो क्या बदलता है। उत्तराखंड के खदरी खड़कमाफी क्षेत्र में सभी परिवारों को अब लगभग 24 घंटे पानी की आपूर्ति उपलब्ध है। इससे काम, परिवार और आय अर्जित करने के लिए उनका समय बच रहा है।

तमिलनाडु के सीएम विजय का सेंट्रल जेल में सरप्राइज विजिट, कैदियों से बातचीत कर लिया फीडबैक

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के सीएम विजय ने शुक्रवार को चेन्नई स्थित देश के सबसे बड़े जेल परिसरों में से एक, पुझल केंद्रीय कारागार का औचक निरीक्षण (सरप्राइज विजिट) किया। निरीक्षण के दौरान जेल पहुंचे सीएम विजय ने कैदियों को मिलने वाले भोजन, चिकित्सा, बुनियादी सुविधाओं और पुनर्वास कार्यक्रमों की समीक्षा की। इस दौरान सीएम विजय ने कैदियों से बातचीत कर उनकी समस्याओं और जरूरतों पर फीडबैक लिया और उनकी जरूरतों के बारे में जानकारी ली। साथ ही परिसर स्थित पुलिस स्टेशन और विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों का जायजा भी लिया।

सुरक्षा ब्लॉक और फांसी क्षेत्र का भी किया निरीक्षण: तमिलनाडु सरकार द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मुख्यमंत्री ने पुझल केंद्रीय कारागार में एकांतवास वार्ड, मुलाकात कक्ष, अस्पताल, नशामुक्ति एवं पुनर्वास केंद्र, कक्षाओं, पुस्तकालय और उन्नत कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्र का दौरा किया। इसके अलावा, उन्होंने जेल के उच्च सुरक्षा ब्लॉक और फांसी क्षेत्र का भी निरीक्षण किया। बयान में बताया गया,मुख्यमंत्री ने कैदियों को दी जा रही बुनियादी सुविधाओं, भोजन, चिकित्सा सेवाओं और व्यावसायिक केंद्रों का व्यक्तिगत रूप से जायज़ा लिया और कैदियों की आवश्यकताओं की जानकारी हासिल की।

कैदियों द्वारा निर्मित उत्पादों की समीक्षा: व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र में विजय ने कैदियों द्वारा निर्मित उत्पादों की समीक्षा की, जिनमें सब्जियां रखने के लिए लोहे के रैक, कागज के कवर और कार्यालय फाइल बोर्ड शामिल थे।

उन्होंने हथकरघा और सिलाई अनुभागों में निर्मित उत्पादों का भी निरीक्षण किया और कैदियों को परोसे जाने वाले भोजन की गुणवत्ता की जांच की।

भारतीय पेशेवरों पर संकट : अमेरिका में नौकरी गई तो 60 दिन की राहत हो सकती है खत्म, प्रस्ताव की समीक्षा पूरी

वॉशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने एच-1बी और अन्य विदेशी पेशेवरों की नौकरी खत्म होने के बाद मिलने वाली 60 दिन की विवेकाधीन राहत अवधि को समाप्त करने के प्रस्ताव की समीक्षा पूरी कर ली है। इससे हजारों भारतीय कर्मचारियों और उनके परिवारों पर असर पड़ सकता है। अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने %विवेकाधीन 60 दिन की राहत अवधि समाप्त करना शीर्षक वाला प्रस्ताव छह अगस्त को व्हाइट हाउस के सूचना और नियामक मामलों के कार्यालय को भेजा था। आधिकारिक नियामक रिकॉर्ड के अनुसार, प्रस्ताव की समीक्षा 27 अगस्त को पूरी हुई। इसमें कार्रवाई की स्थिति बदलाव के साथ अनुरूप दर्ज की गई है। इसका मतलब है कि प्रस्ताव कुछ बदलावों के साथ व्हाइट हाउस की समीक्षा प्रक्रिया से आगे बढ़ गया है। हालांकि, प्रस्ताव अभी प्रकाशित नहीं हुआ है और इसके पूरे प्रावधान उपलब्ध नहीं हैं। इसलिए मौजूदा 60 दिन की राहत अवधि फिलहाल लागू है। समीक्षा पूरी होने के बाद अब आगे क्या होगा? अगले चरण में प्रस्तावित नियम को आम तौर पर संघीय रजिस्टर में प्रकाशित किया जाएगा। इसके बाद लोगों और संगठनों से इस पर सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी जाएंगी। गृह सुरक्षा विभाग को इन टिप्पणियों पर विचार करने के बाद अंतिम नियम जारी करना होगा। इसके बाद ही कोई बदलाव प्रभावी हो सकेगा। इस प्रस्ताव का नियामक सूचना नंबर 1615-एडी22 है और इसे अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा द्वारा तैयार किया जा रहा है। नियामक रिकॉर्ड में इसे ऐसा प्रस्तावित नियम बताया गया है।

नेपाल बाढ़ : विदेश से मदद लेने पर बालेन सरकार का यू-टर्न, लापता लोगों की तलाश में भारत समेत ये देश देंगे साथ

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल सरकार ने भोटेकोशी में आई बाढ़ से प्रभावित इलाकों में अंतरराष्ट्रीय खोज और बचाव टीमों को न आने देने के अपने फैसले को बदल दिया है। यह फैसला उन देशों के राजनयिक दबाव के बाद लिया गया है, जिनके नागरिक इस आपदा के बाद से लापता हैं। नेपाल सरकार ने पहले क्या फैसला लिया था सरकार ने बुधवार को कहा था कि नेपाली बचावकर्मी खोज अभियान संभालने में सक्षम हैं। विदेशी बचाव टीमों को अनुमति नहीं दी जाएगी। हालांकि, एक दिन के भीतर ही अधिकारियों ने सुरंग से बचाव कार्य, डीएनए टेस्टिंग और फोरेंसिक जांच जैसे विशेष क्षेत्रों में सीमित अंतरराष्ट्रीय मदद लेने का फैसला किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने क्या बताया सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने द काठमांडू पोस्ट को बताया, अंतरराष्ट्रीय समुदाय की ओर से हम पर भारी दबाव था कि कम से कम खोज और बचाव दलों और कुछ विशेषज्ञों को आने की अनुमति दी जाए, क्योंकि बाढ़ में उनके नागरिक भी लापता हो गए हैं। हम कुछ खास इलाकों में सीमित संख्या में विशेषज्ञों को आने की अनुमति दे रहे हैं। विदेश मंत्री ने क्या कहा विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने रॉयटर्स को बताया, चीन के साथ हिमालयी सीमा पर आई विनाशकारी बाढ़ के बाद नेपाल को उन खास और तकनीकी क्षेत्रों में विदेशी मदद की जरूरत है जिनमें उसके पास विशेषज्ञता की कमी है लेकिन खोज और बचाव कार्यों के लिए उसे विदेशी मदद की जरूरत नहीं है। किन देशों को मिली है मंजूरी नेपाल के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के आकलन के आधार पर, एक अंतर-मंत्रालयी समन्वय समिति ने भारत, चीन, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण कोरिया से मदद को मंजूरी दी है। इन चार देशों के विशेषज्ञ और तकनीशियन सुरंग से बचाव अभियान, डीएनए टेस्टिंग और फोरेंसिक जांच में मदद करेंगे। राहत सहायता की पेशकश करने वाले कई अन्य देशों ने भी विशेषज्ञ टीमें भेजने की इच्छा जताई है। हालांकि, नेपाल ने ऐसी मांगों को स्वीकार नहीं किया है। काठमांडू में कम से कम दो विदेशी दूतावासों के अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने अपने लापता नागरिकों का पता लगाने में मदद के लिए टीमें भेजने का बार-बार अनुरोध किया था, लेकिन उन्हें कोई सकारात्मक जवाब नहीं मिला। विदेशी मीडिया के लिए नए नियम क्या है इसके साथ ही नेपाल सरकार ने बाढ़ की कवरेज करने वाले घरेलू और विदेशी मीडिया संस्थानों के लिए नए नियम लागू किए हैं। सूचना और संचार मंत्रालय के तहत सूचना प्रशासन और प्रेस शाखा के अनुसार, विदेशी पत्रकारों को अपने पासपोर्ट और वैध वीजा की कॉपी के साथ-साथ अपने मीडिया संस्थान से मिला अपॉइंटमेंट लेटर या एग्रीमेंट जमा करना होगा।

नेपाल बाढ़ लाइव: त्रिशुली में रुका बचाव अभियान, अब तक 616 लोगों की मौत; 1900 से ज्यादा लापता

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में अचानक आई बाढ़ के कारण 579 से अधिक लोगों की मौत हुई है। 1900 से अधिक लोग अब भी लापता हैं। इनमें करीब 30 देशों के नागरिक शामिल हैं। भारत के कई पर्यटकों ने सुरक्षित स्वदेश वापसी के बाद राहत की सांस ली। हालांकि, उन्होंने जलप्रलय और बाढ़ की विभीषिका पर रोंगटे खड़े करने वाले विवरण साझा किए हैं। नेपाल बाढ़ त्रासदी में मरने वालों का आंकड़ा 616 पहुंच गया है। वहीं, लापता लोगों का आंकड़ा भी 2000 से ज्यादा हो गया है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी सरकारी मीडिया ने बताया है कि तिब्बत में भूस्खलन के मलबे के बीच बनी झील में जलस्तर एक बार फिर बढ़ रहा है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इसकी वजह से एक बार फिर से भूस्खलन या मिट्टी के खिसकने का खतरा लगातार बना हुआ है। वहीं, नेपाल में राहत एवं बचाव कार्य में जुटे खोज दल जीवित बचे लोगों को खोजने के लिए मौसम के अनुकूल सीमित समय का पूरा फायदा उठा रहे हैं। सड़क को दोबारा खोलने के प्रयास भी जारी हैं। बाढ़ राहत कार्यों में सहायता के लिए नेपाल पहुंचा

11 सदस्यीय भारतीय बचाव दल अचानक आई बाढ़ में 500 से अधिक लोगों की मौत हो गई और लगभग 2,000 अन्य लापता हो गए। इस बचाव अभियान में स्थानीय अधिकारियों की सहायता के लिए 11 सदस्यीय भारतीय दल शनिवार को नेपाल पहुंचा। भारतीय दूतावास के सूत्रों के अनुसार, चिकित्सा कर्मियों और सुरंग बचाव विशेषज्ञों सहित इस टीम को नेपाल सरकार के अनुरोध पर भेजा गया था। टीम को हिमालयी देश में अचानक आई बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों में भेजा जा रहा है, जहां बड़े पैमाने पर बचाव और राहत अभियान चलाए जा रहे हैं। बुधवार को रसुवा और मध्य नेपाल के अन्य हिस्सों में भीषण बाढ़ आई, जिसमें 500 से अधिक लोगों की मौत हो गई और बस्तियों, सड़कों, पुलों और जलविद्युत अवसंरचना को व्यापक क्षति पहुंची। शुक्रवार को नेपाल ने कहा कि वह अपने सुरक्षा बलों की अधिकतम तैनाती को ÷प्राथमिकता÷ देना चाहता है, जो स्थानीय पर्यावरणीय परिस्थितियों और दुर्गम भूभाग से भलीभांति परिचित हैं। हालांकि, विदेश मंत्री शिसिर खनाल ने कहा कि सरकार उन कठिन मामलों में अंतरराष्ट्रीय सहायता लेने के लिए तैयार है, जहां अत्यंत जटिल भौतिक संरचनाओं के लिए विशेष तकनीकी कौशल की आवश्यकता होती है। मौसम बिगड़ने से रुका राहत और बचाव कार्य त्रिशुली नदी में भारी बारिश के कारण मौसम की स्थिति बिगड़ने से बचाव अभियान अस्थायी रूप से रोक दिया गया है। जानकारी के अनुसार खराब मौसम के चलते हेलीकॉप्टर उड़ान नहीं भर पा रहे हैं। नदी का जलस्तर लगातार बढ़ने के कारण, आसपास के क्षेत्रों के लोगों को एहतियात के तौर पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। राहत कार्यों में विदेशी मदद लेने को तैयार हुआ नेपाल नेपाल ने अपना फैसला बदलते हुए बाढ़ राहत कार्यों के लिए विदेशी मदद लेने पर सहमति जताई है। जिन देशों के नागरिक लापता हैं, उन देशों के दबाव के कारण सरकार को अपने फैसले से पीछे हटना पड़ा। अधिकारियों का कहना है कि वे टनल में बचाव कार्य और शवों की पहचान में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों की मदद लेंगे। भोटेकोशी बाढ़ की कवरेज करने वाले विदेशी पत्रकारों के लिए नेपाल ने नए नियम लागू किए हैं। पत्रकारों को पासपोर्ट और वीजा, अपने संगठन द्वारा जारी पहचान पत्र, वेतन और भत्तों का विवरण आदि जमा करना होगा। नेपाल त्रासदी- डब्ल्यूएचओ ने बढ़ाया मदद का दायरा, 150,000 अमेरिकी डॉलर की धनराशि जारी की विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) नेपाल में आई बाढ़ को लेकर अपनी मदद का दायरा बढ़ा रहा है, जिसके तहत तत्काल 150,000 अमेरिकी डॉलर की धनराशि जारी की गई है। आवश्यकता आकलन जारी रहने के साथ-साथ अतिरिक्त संसाधन जारी किए जाने की उम्मीद है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक ने टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में बताया कि आपदा शुरू होने के कुछ ही घंटों के भीतर, डब्ल्यूएचओ ने आपातकालीन आपूर्ति भेजी, जिसमें अंतर-एजेंसी आपातकालीन स्वास्थ्य आपूर्ति भी शामिल थी, जो लगभग 10,000 लोगों को 3 महीने तक आवश्यक सामग्री प्रदान कर सकती है। इसके अलावा, इसमें टेंट, 10,000 मास्क, दस्ताने और हैंड सैनिटाइजर भी शामिल थे। नेपाल में आई विनाशकारी बाढ़ के बीच लापता हुए पश्चिम बंगाल के 39 पर्यटकों में से दो पर्यटकों से संपर्क स्थापित हो गया है।

खंडवा में मंगला एक्सप्रेस में केरल के 20 बच्चे बीमार

पेंट्री कार का खाना खाने के बाद बिगड़ी तबीयत, स्टेशन पर 40 मिनट ट्रेन रोककर इलाज

खंडवा,एजेंसी। दिल्ली से केरल जा रही मंगला लक्षद्वीप एक्सप्रेस में शुक्रवार रात उस समय हड़कंप मच गया, जब ट्रेन में सफर कर रहे 15 से 20 स्कूली बच्चों की अचानक तबीयत बिगड़ गई।

बच्चों ने ट्रेन की पेंट्री कार से खाना लिया था। खाना खाने के बाद कई बच्चों को उल्टी, जी मिचलाने और बेचैनी की शिकायत होने लगी। फूड पॉइजनिंग की आशंका जताई गई है।

बच्चों की तबीयत बिगड़ने की सूचना रेलवे विभाग को मिली तो खंडवा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन को रोककर बच्चों का इलाज कराया गया।

जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. अनिरुद्ध कौशल, सीएसपी अभिनव बारंगे, सिटी मजिस्ट्रेट बजरंग बहादुर सहित रेलवे और प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे। डॉक्टरों की टीम ने ट्रेन में ही बच्चों की जांच कर उन्हें प्राथमिक उपचार और जरूरी दवाइयां दीं।

रात 9.05 बजे खंडवा पहुंची ट्रेन, करीब 40 मिनट रुकी: स्टेशन मास्टर जीएल मीणा के मुताबिक, मंगला लक्षद्वीप एक्सप्रेस रात करीब 9 बजकर 5 मिनट पर खंडवा रेलवे स्टेशन पहुंची। बच्चों की तबीयत खराब होने की सूचना पहले ही मिल चुकी थी, इसलिए स्टेशन पर डॉक्टरों की टीम को तैयार रखा गया था।

ट्रेन रुकते ही मेडिकल टीम ने प्रभावित बच्चों की जांच शुरू की। करीब 40 मिनट तक ट्रेन खंडवा स्टेशन पर खड़ी रही। इस दौरान बच्चों को प्राथमिक उपचार और दवाइयां दी गईं। इसके बाद रात करीब 9 बजकर 45 मिनट पर ट्रेन को भुसावल की ओर रवाना किया गया।

स्कूली टूर के बाद दिल्ली से केरल लौट रहे थे बच्चे: बताया गया कि बीमार हुए सभी बच्चे केरल के रहने वाले हैं और एक क्रिश्चियन स्कूल से संबंधित हैं। बच्चों की उम्र करीब 15 से 18 वर्ष बताई जा रही है। वे स्कूल स्टाफ के साथ शैक्षणिक टूर पर दिल्ली गए थे और टूर खत्म होने के बाद ट्रेन से वापस केरल लौट रहे थे।

स्टेशन मास्टर के अनुसार, इटारसी स्टेशन के बाद बच्चों ने ट्रेन की पेंट्री कार से खाना लिया था।

खाना खाने के कुछ समय बाद एक के बाद एक बच्चों की तबीयत बिगड़ने लगी। कई बच्चों ने अस्वस्थ महसूस होने की शिकायत की। इसके बाद ट्रेन में मौजूद स्टाफ ने रेलवे अधिकारियों को सूचना दी।

● डॉक्टरों की टीम ट्रेन में बच्चों के साथ रवाना

खंडवा स्टेशन पर प्राथमिक उपचार के बाद रेलवे के डॉक्टरों और कर्मचारियों की एक टीम को बच्चों के साथ ट्रेन में रवाना किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि बच्चों की तबीयत पर लगातार नजर रखी जाएगी। यदि रास्ते में किसी बच्चे की हालत में सुधार नहीं होता है या तबीयत ज्यादा बिगड़ती है, तो उन्हें भुसावल रेलवे स्टेशन पर उतारकर अस्पताल में इलाज उपलब्ध कराया जाएगा।

● पेंट्री के खाने से फूड पॉइजनिंग की आशंका

बच्चों के बीमार होने की वजह फिलहाल स्पष्ट नहीं है। हालांकि, बच्चों द्वारा पेंट्री कार का खाना खाने के बाद तबीयत बिगड़ने के कारण फूड पॉइजनिंग की आशंका जताई जा रही है। वास्तविक कारण जांच के बाद ही सामने आएगा। रेलवे और स्वास्थ्य विभाग की टीम पूरे मामले पर नजर रख रही है। बच्चों की हालत फिलहाल प्राथमिक उपचार के बाद नियंत्रण में बताई जा रही है।

इटारसी में बारिश जारी, तवा डैम 14 फीट खाली, इस सीजन एक बार भी नहीं खुले गेट, जलस्तर निर्धारित से नीचे

इटारसी,एजेंसी। इटारसी और आसपास के क्षेत्रों में सावन की विदाई के बाद भी रुक-रुककर बारिश जारी है। बीते 24 घंटे में इटारसी तहसील में 9 मिमी बारिश दर्ज की गई, जिससे इस सीजन का कुल आंकड़ा 696.4 मिमी हो गया है। हालांकि, लगातार बारिश के बावजूद तवा बांध का जलस्तर अभी भी निर्धारित स्तर से 14 फीट नीचे है और इस मानसून सीजन में अब तक इसके गेट एक बार भी नहीं खोले गए हैं। शनिवार सुबह 8 बजे तवा बांध का जलस्तर 1152.60 फीट दर्ज किया गया। सामान्यतः 15 अगस्त तक बांध का जलस्तर लगभग 1166 फीट तक पहुंच जाना चाहिए था, लेकिन अगस्त का दूसरा पखवाड़ा बीतने के बाद भी बांध इस आंकड़े से काफी दूर है।

अब तक एक बार भी नहीं खुले गेट: इस मानसून सीजन में तवा बांध के गेट एक बार भी नहीं खोले गए हैं। इसका मुख्य कारण बांध में पर्याप्त जलभराव का न होना बताया जा रहा है। पिछले वर्षों में अच्छी बारिश के दौरान बांध का जलस्तर तेजी से बढ़ता था और पानी की निकासी के लिए गेटों को 79 आपरेट करने पड़े थे, लेकिन इस बार स्थिति भिन्न है।

कैचमेंट में बारिश पर निर्भर जलस्तर: लगातार बारिश के बावजूद बांध का जलस्तर निर्धारित स्तर से नीचे बना हुआ है। तवा बांध के जलस्तर की आगे की स्थिति आने वाले दिनों की बारिश पर निर्भर करेगी। यदि क्षेत्र और बांध के कैचमेंट एरिया में अच्छी बारिश होती है, तो जलस्तर में तेजी से बढ़ोतरी की संभावना है। जिला नर्मदापुरम में शनिवार सुबह 8 बजे सेठानी घाट का जलस्तर 942 फीट दर्ज किया गया। वहीं, बरगी बांध का जलस्तर 421.15 मीटर और बरना बांध का जलस्तर 346.93 मीटर रहा।

यूपी का तस्कर 3 देसी पिस्टल-2 मैग्जीन के साथ गिरफ्तार, बुरहानपुर में अवैध हथियार खरीदने आया था, केस दर्ज

बुरहानपुर,एजेंसी। बुरहानपुर में अवैध हथियारों की तस्करी के खिलाफ खकनार पुलिस ने कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के शामली से हथियार खरीदने आए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से हाथ से बनी तीन देसी पिस्टल और दो खाली मैग्जीन जब्त की गई हैं। खकनार थाना प्रभारी अभिषेक जाधव ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी की पहचान अंसार पिता अलमदीन चौधरी (22), निवासी आलमखुर्द, थाना कैराना, जिला शामली, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। जब्त हथियारों की अनुमानित कीमत 74,300 रुपए है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है कि उसने ये हथियार किससे खरीदे थे।

मुखबिर की सूचना पर पकड़ा आरोपी: पुलिस के अनुसार, मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम जामनिया में एक व्यक्ति बैग में अवैध हथियार लेकर खड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और आरोपी को पकड़ लिया। तलाशी में उसके पास से तीन देसी पिस्टल और दो खाली मैग्जीन बरामद हुईं। आरोपी के पास हथियार रखने से संबंधित कोई लाइसेंस नहीं मिला, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

पाचौरी क्षेत्र में होता है अवैध हथियारों का निर्माण: जिले में अवैध हथियारों का निर्माण पाचौरी क्षेत्र में किया जाता है। पुलिस की लगातार कार्रवाई के बावजूद हथियारों की तस्करी पर पूरी तरह रोक नहीं लग पाई है। वर्ष 2024 से अब तक अवैध हथियार तस्करी के 31 मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें 63 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इस दौरान 172 देसी पिस्टल और 45 जिंदा कारतूस जब्त किए गए हैं। साथ ही अवैध हथियार बनाने वाली कई फैक्ट्रियों का भी भंडाफोड़ किया।

बानसुजारा बांध के आठ गेट खोले, धसान में बढ़ा जलस्तर

315.25 मीटर पहुंचा जलस्तर, 792 घनमीटर प्रति सेकंड पानी छोड़ा, 9 फीट तक बढ़ेगा पानी

छतरपुर ,एजेंसी। छतरपुर-टीकमगढ़ जिले की सीमा पर स्थित बानसुजारा बांध के आठ गेट शुक्रवार रात 8 बजे खोल दिए गए। जल संसाधन विभाग ने बांध में लगातार बढ़ रहे जलस्तर और सुरक्षा को देखते हुए यह कदम उठाया है। पहले से खुले दो गेटों के अलावा छह और गेट 0.75-0.75 मीटर तक खोले गए हैं। गेट खुलने के बाद धसान नदी में पानी का बहाव बढ़ गया है। इसे देखते हुए प्रशासन ने नदी किनारे और प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को सतर्क रहने का अलर्ट जारी किया है।

बानसुजारा बांध की पूर्ण भराव क्षमता 316.50 मीटर है। वर्तमान में बांध का जलस्तर 315.25 मीटर तक पहुंच गया है। बांध के आठ गेट 0.75 मीटर तक खोले जाने के बाद धसान नदी में करीब 792 घन मीटर प्रति सेकंड पानी छोड़ा जा रहा है।

वहीं, बांध में पानी की आवक अभी भी करीब 450 घन मीटर प्रति सेकंड बनी हुई है। लगातार पानी की आवक को देखते हुए विभाग बांध के जलस्तर और स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

धसान नदी में 7 से 9 फीट तक बढ़ सकता है जलस्तर: जल संसाधन विभाग के अनुसार बांध से पानी छोड़े जाने के कारण धसान नदी के निचले इलाकों में जलस्तर 7 से 9 फीट तक बढ़ने की संभावना है। विभाग ने नदी किनारे रहने वाले लोगों और आम नागरिकों से सतर्क रहने तथा नदी क्षेत्र से दूर रहने की अपील की है।

प्रशासन ने लोगों से नदी के आसपास जाने, नदी पार करने या तेज बहाव वाले पानी में उतरने से बचने की भी अपील की है।

आवक बढ़ी तो और गेट खोले जा सकते हैं: जल संसाधन विभाग ने बताया कि यदि धसान नदी में पानी की आवक लगातार बढ़ती रही तो बांध से पानी की निकासी बढ़ाई जा सकती है। ऐसी स्थिति में अतिरिक्त गेट खोले जाने की संभावना है।

गेटों की संख्या बढ़ने पर धसान नदी का जलस्तर और बढ़ सकता है। इसलिए नदी किनारे और निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को लगातार सतर्क रहने की सलाह दी गई है। विभाग और प्रशासन बांध की स्थिति तथा नदी के जलस्तर पर लगातार निगरानी रख रहे हैं।

हटा में कच्चे मकान का आधा हिस्सा भरभराकर गिरा, बाल-बाल बचे लोग, बाकी हिस्सा भी खतरनाक स्थिति में

दमोह,एजेंसी। दमोह जिले के हटा थाना क्षेत्र के चंडी जी वार्ड में शनिवार दोपहर एक पुराने कच्चे मकान का आधा हिस्सा अचानक ढह गया। गनीमत रही कि घटना के समय मकान के आसपास कोई मौजूद नहीं था, जिससे कोई जनहानि नहीं हुई। यह मकान राजू चक्रवर्ती का बताया जा रहा है, जिसका एक हिस्सा बारिश के पानी से कमजोर होकर गिरा। मकान काफी पुराना और जर्जर था। स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है, क्योंकि उनका कहना है कि भवन का शेष हिस्सा भी कभी भी गिर सकता है। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि मकान की जर्जर स्थिति के बावजूद नगर पालिका द्वारा कोई नोटिस या कार्रवाई नहीं की गई। यह मकान लंबे समय से खाली पड़ा था और इसकी मरम्मत भी नहीं कराई गई थी।

राखी बांधकर लौट रही बहन की हादसे में मौत

खंडवा में बाइक सवार ने टक्कर मारी, एक और हादसे में मां को घर ला रहे बेटे की मौत

खंडवा,एजेंसी। रक्षाबंधन की रात खंडवा में दो अलग-अलग हादसे हुए हैं। मामा के घर से लौट रहे बाइक सवार मां-बेटे हादसे का शिकार हो गए। एक मामले में मां की मौत हो गई, वहीं दूसरी घटना में बेटे ने दम तोड़ दिया। त्योहार के बीच दोनों परिवारों में मातम पसर गया हैं।

बाइक सवार ने पीछे से टक्कर मारी, महिला की मौत: पहली घटना पंधाना क्षेत्र के ग्राम पाडल्या के पास ग्रिड के सामने हुई हैं। जहां अज्ञात बाइक सवारों ने बाइक सवार मां-बेटे को पीछे से टक्कर मार दी।

हादसे में बेटा सुरक्षित रहा लेकिन सिर के बल गिरने से महिला को अंदरूनी और गंभीर चोटें आ गई। इलाज के लिए उसी समय अस्पताल लेकर जाने लगे, तभी महिला ने रास्ते में दम तोड़ दिया।

मृतिका की पहचान 45 वर्षीय मायाबाई पति अनिल करोड़ी निवासी ग्राम बड़गांव गुर्जर के रूप में हुई हैं। वह रक्षाबंधन के लिए अपने बेटे के साथ सराय गांव में अपने मायके गई थी। देर शाम को भाईयों को राखी बांधने के बेटे के साथ घर लौट रही थी, तभी पाडल्या गांव के पास हादसा हो गया।

महिला के पति अनिल करोड़ी किसान हैं, वहीं उनके दो बेटे हैं। दोनों एक निजी कंपनी में काम करते हैं और शादीशुदा हैं।

मां को राखी के लिए मायके छोड़ने निकला था बेटा, रास्ते में छूटा साथ: रक्षाबंधन के दिन दूसरी घटना में दूधवास निवासी 30 वर्षीय मनीष अपनी मां अन्नपूर्णा बाई को उनके मायके यानी मामा के घर ग्राम भैसावा लेकर जा रहा था। मां-बेटे बाइक से खुशी-खुशी घर से निकले थे। लेकिन माथनी और भैसावा के बीच सामने से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी। घायल मनीष को मूंदी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

हादसे में मनीष की मां अन्नपूर्णा बाई और दूसरी बाइक सवार महेंद्र भी गंभीर घायल हुए हैं। दोनों को प्राथमिक इलाज के बाद जिला अस्पताल रेफर किया। मनीष की मौत की खबर जैसे ही परिवार को मिली, रक्षाबंधन का पर्व मातम में बदल गया।

वह अपने पीछे पत्नी, करीब डेढ़ साल की बेटी और चार साल के बेटे को छोड़ गया है। छोटे बच्चों के सिर से पिता का साया उठने की खबर से गांव में भी शोक का माहौल है।

24 घंटे में जिले में हुई 2 इंच औसत बारिश

सबसे ज्यादा राहतगढ़ में 3 इंच से अधिक पानी गिरा, सामान्य बारिश का 56% कोटा हुआ

सागर,एजेंसी। वेदर सिस्टम सक्रिय होने से सागर जिले में बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटे में जिलेभर में झमाझम बारिश हुई।

लगातार बारिश के चलते नदी-नाले उफान पर आ गए हैं। बारिश के कारण दिन और रात के तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई है। शनिवार सुबह से आसमान में बादल छाए हुए हैं।

पिछले 24 घंटे में राहतगढ़ में 80 मिमी, जैसीनगर में 72 मिमी, मालथौन में 72 मिमी, गढ़ाकोटा में 75 मिमी और सागर में 37 मिमी बारिश दर्ज की गई। जिले के अन्य क्षेत्रों में भी बारिश हुई। इस दौरान जिले में औसतन करीब 2 इंच बारिश दर्ज की गई है।

इस बारिश के साथ जिले में अब तक सीजन की औसत बारिश का 56.6 प्रतिशत पानी गिर चुका है।

सीजन में अब तक 27.5 इंच औसत बारिश: बारिश के इस सीजन में अब तक सागर जिले में 697.6 मिमी यानी 27.5 इंच औसत बारिश हो चुकी है।

पिछले वर्ष 29 अगस्त तक जिले में 984.7 मिमी यानी 38.8 इंच बारिश दर्ज की गई थी।

इस तरह पिछले साल की तुलना में इस वर्ष 29 अगस्त तक जिले में करीब 29.1 प्रतिशत कम बारिश हुई है। वहीं, जिले की सामान्य औसत बारिश की तुलना में अब तक 56.6 प्रतिशत बारिश हो चुकी है।

31 अगस्त से फिर बारिश का दौर शुरू होने की संभावना: मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर प्रदेश में बना निम्न दबाव का क्षेत्र अब कमजोर होकर समाप्त होने की स्थिति में है। इसके चलते शनिवार को जिले में बारिश का जोर कम होने की संभावना है। हालांकि आसमान में बादल छाए रहेंगे और कुछ स्थानों पर हल्की बौछारें पड़ सकती हैं। बारिश के बीच कुछ समय के लिए धूप भी निकलने की संभावना है।

उत्तर बंगाल की खाड़ी में शनिवार-रविवार के आसपास एक नया निम्न दबाव का क्षेत्र बनने की संभावना है।

इसके प्रभाव से 31 अगस्त से 1 सितंबर के बीच जिले में बादल छाने के साथ गरज-चमक के साथ मध्यम बारिश और तेज बौछारें पड़ सकती हैं। फिलहाल जिले में बादल छाए रहने और मौसम के परिवर्तनशील बने रहने की संभावना है।

रायसेन में फोटो खींचने को लेकर विवाद

20 लोगों ने युवक पर किया हमला, सिर पर चाकू लगने से 20 से ज्यादा टांके आए

रायसेन,एजेंसी। रायसेन शहर में रक्षाबंधन के दिन शुक्रवार देर शाम दो पक्षों के बीच हुए विवाद में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। करीब 20 लोगों ने लाठी-डंडों और चाकू से हमला किया, जिसमें योगेश पंथी के सिर में गंभीर चोट आई।

उसे 20 से अधिक टांके लगे और हालत गंभीर होने पर भोपाल रेफर किया गया है। इस हमले में दो अन्य लोग भी घायल हुए हैं।

घायल पक्ष के आनंद सिंह चंदेल ने बताया कि शिबू मालवीय, अमित, छोटू और योगेश पंथी भोपाल रोड स्थित दरगाह के पास चाय पीने गए थे। चाय पीने के बाद वे पुलिया के पास तस्वीरें ले रहे थे।

इसी दौरान नशे की हालत में एक युवक वहां आया और गाली-गलौज करते हुए उन्हें फोटो खींचने से मना करने लगा।

आनंद सिंह के अनुसार, उन्होंने युवक को वहां से जाने और विवाद खत्म करने को कहा। जब वे अपनी कार की ओर लौट रहे थे, तभी अचानक करीब 20 लोग लाठी-डंडे लेकर पहुंचे और उन पर हमला कर दिया।

सिर पर चाकू से वार किया: आरोप है कि इसी दौरान योगेश पंथी के सिर में चाकू मार दिया गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर हमलावरों की पहचान करने में जुटी है। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नर्मदापुरम में सांदीपनी स्कूल की बस पलटी, 4 स्टूडेंट घायल

सोहागपुर में सूकरी-चुरका के बीच मोड़ पर हादसा, ड्राइवर और महिला कंडक्टर घायल

नर्मदापुरम,एजेंसी। नर्मदापुरम जिले के सोहागपुर में शनिवार सुबह सीएम राइज संदीपनी स्कूल की बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसा सुबह करीब 7.30 बजे ग्राम सूकरी और चुरका के बीच हुआ। बस में चार विद्यार्थी सवार थे। हादसे में चार विद्यार्थियों के साथ बस ड्राइवर और महिला कंडक्टर भी घायल हो गए। सभी को डायल-112 वाहन की मदद से सोहागपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया। घायलों को मामूली चोटें आई हैं।

जानकारी के मुताबिक, सीएम राइज संदीपनी स्कूल की बस क्रमांक एमपी 04 पीए 2430 शनिवार सुबह गांवों से विद्यार्थियों को लेने जंगल की ओर गई थी। बस में चार विद्यार्थी सवार थे। सूकरी और चुरका गांव के बीच मोड़ पर बस अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे पलट गई। बस एक पलटी खाने के बाद तिरछी होकर रुक गई।

तेज रफ्तार में मोड़ पर बिगड़ा संतुलन: स्थानीय लोगों के मुताबिक बस की रफ्तार तेज थी। मोड़ पर चालक बस को नियंत्रित नहीं कर पाया और वाहन अनियंत्रित होकर पलट गया। हालांकि, तेज रफ्तार की बात की आधिकारिक पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही होगी।

हादसे की सूचना मिलते ही डायल-112 का स्टाफ मौके पर पहुंचा। पुलिसकर्मियों ने बस में फंसे और घायल विद्यार्थियों समेत अन्य लोगों को बाहर निकाला और सभी को तत्काल सोहागपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया।

चार विद्यार्थी, ड्राइवर और महिला कंडक्टर घायल

हादसे में घायल विद्यार्थियों की पहचान सौरभ ठाकुर (13), पिता संतोष ठाकुर, निवासी ग्राम बंदीछोड़; ऋषभ ठाकुर (14), पिता संतोष ठाकुर, निवासी ग्राम बंदीछोड़; मधु गुर्जर (14), पिता रामस्वरूप गुर्जर, निवासी चारगांव; और रागिनी पाल (15), पिता ध्रुव कुमार पाल, निवासी चारगांव के रूप में हुई है।

बस ड्राइवर तुलसी प्रसाद, निवासी ग्राम करणपुर और महिला कंडक्टर वर्षा सिंह, निवासी सोहागपुर भी हादसे में घायल हुई हैं। सभी का सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उपचार कराया गया।

सोहागपुर थाना प्रभारी गिरीश त्रिपाठी ने बताया कि सूकरी और चुरका के बीच स्कूल बस पलट गई थी। हादसे में चार विद्यार्थी घायल हुए हैं, जिन्हें मामूली चोटें आई हैं। मामले में बस ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर जांच की जा रही है।

बॉलीवुड की बेहतरीन प्ले बैक सिंगर श्रेया घोषाल को लेकर बड़ी खबर सामने आ रही है कि उन्हें आशा भोसले अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया है. गायिका के लिए ये पल बेहद ही इमोशनल कर देने वाला रहा. उन्होंने कहा कि ये अवॉर्ड मिलना किसी जिम्मेदारी से कम नहीं है. इसे उन्होंने अपनी बड़ी जिम्मेदारी बताया साथ ही कहा कि वो आशा भोसले को अपनी प्रेरणा मानती हैं.श्रेया घोषाल को आशा भोसले अवॉर्ड 2026 से पुणे में सम्मानित किया गया. इस अवॉर्ड को हृदयनाथ मंगेशकर के हाथों श्रेया घोषाल को सौंपा गया. सिंगर ने इस दौरान इस अवॉर्ड को लेकर समाचार एजेंसी पीटीआई से बात भी की और कहा, आशा भोसले अवॉर्ड का मतलब मेरे लिए बहुत कुछ है. ये मेरे लिए किसी चीज से यादा मायने रखता है, जो शायद मुझे अब तक मिली है. ये मेरे लिए सम्मान और ढेर सारे आशीर्वाद जैसा है, साथ ही ये बड़ी जिम्मेदारी भी है.इतना ही नहीं, श्रेया घोषाल आगे कहती हैं, हृदयनाथ मंगेशकर जी के साथ हाथ से मुझे ये अवॉर्ड मिलना भी बहुत कुछ है. वो मेरे लिए गुरु जैसे है. आशा ताई मेरी प्रेरणा हैं और मैं कई तरह से उन्हें अपना आदर्श मानता हूं. यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है और मैं इस दिन को हमेशा याद रखूंगी. सोशल मीडिया पर श्रेया का अवॉर्ड लेते हुए वीडियो भी सामने आया है, जिसमें उनके चेहरे पर इस अवॉर्ड को पाने की खुशी साफतौर से झलक रही है.बहरहाल, बात की जाए श्रेया घोषाल के करियर की तो वो अब तक 3000 से यादा गाने गा चुकी हैं. उन्होंने अपनी गायिकी की शुरुआत महज 4 साल की उम्र ही कर दी थी. वो शास्त्रीय संगीत सीखा करती थीं. फिर उन्होंने टीवी रियलिटी शो सारेगामा पा में हिस्सा लिया और इससे उनकी जिंदगी ही बदल गई. श्रेया ने इस शो को जीत लिया था. यही वो जगह रही है जहां पर डायरेक्टर संजय लीला भंसाली की नजर उन पर पहली बार पड़ी थी. श्रेया ने फिल्मों में अपनी गायिकी की शुरुआत साल 2002 में फिल्म देवदास से की थी. इसके लिए सिंगर को बेस्ट प्लेबैक सिंगिंग का नेशनल फिल्म अवॉर्ड भी मिला था. इसके बाद उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा. गौरतलब है कि श्रेया घोषाल हिंदी के अलावा तमिल, तेलुगु, कन्नड़, बंगाली, मराठी और मलयालम समेत 20 से यादा भाषाओं में गाने गा चुकी हैं.

ओलिविया डीन ने भारत कॉन्सर्ट का दिया संकेत

इशारा लोलापालूजा 2027 में डेब्यू की चर्चा तेज ग्रैमी अवॉर्ड विजेता ब्रिटिश सिंगर ओलिविया डीन ने भारत में अपने फैंस के लिए एक बड़ा संकेत दिया है। सिंगर ने सोशल मीडिया पर भारतीय झंडे के इमोजी के साथ ee o soonलिखा, जिसके बाद उनके भारत में कॉन्सर्ट करने की अटकलें तेज हो गई हैं। ओलिविया डीन के इस पोस्ट के बाद फैंस कयास लगा रहे हैं कि वह o a a oo a 2027iaमें अपनी पहली भारत परफॉर्मेंस दे सकती हैं। हालांकि अभी तक सिंगर या फेस्टिवल आयोजकों की ओर से इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।इंस्टाग्राम पोस्ट ने बढ़ाई उत्सुकता ओलिविया डीन ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी में स्टेज पर परफॉर्म करते हुए अपनी तस्वीर के साथ भारतीय झंडे का इमोजी लगाया और लिखा, ee o soonइसके साथ जुड़े लिंक ने भी फैंस का ध्यान खींचा, जिससे भारत में उनके संभावित कॉन्सर्ट की चर्चा शुरू हो गई। o a a oo a 2027iaसे जोड़ी जा रही अटकलें सिंगर के पोस्ट का समय o a a oo a 2027iaकी घोषणा के बाद सामने आया है। फेस्टिवल का आयोजन मुंबई में 23 और 24 जनवरी 2027 को होने की जानकारी दी गई है, लेकिन कलाकारों की पूरी लाइनअप अभी घोषित नहीं हुई है।ध्द्यह्यश ऋद्भुस्न - फिल्मी दुनिया में बड़ा मुकाबला दो सितारों की टक्कर से मचेगा धमाल इसी वजह से फैंस अनुमान लगा रहे हैं कि ओलिविया डीन इस फेस्टिवल का हिस्सा हो सकती हैं। कौन हैं ओलिविया डीन ओलिविया डीन ब्रिटेन की लोकप्रिय सिंगर और सॉन्ग राइटर हैं। उनकी आवाज और सोल-पॉप स्टाइल के लिए उन्हें दुनियाभर में पहचान मिली है। उनके चर्चित गानों में an ee i e he ar estशामिल हैं। उनकी लोकप्रियता खासकर युवा संगीत प्रेमियों के बीच तेजी से बढ़ी है। भारत में पहली लाइव परफॉर्मेंस की उम्मीद अगर ओलिविया डीन भारत आती हैं तो यह देश में उनका पहला बड़ा लाइव कॉन्सर्ट हो सकता है। भारतीय फैंस उनके इस संभावित डेब्यू को लेकर काफी उत्साहित हैं। फिलहाल यह सिर्फ एक संकेत और अफवाहों पर आधारित चर्चा है। आधिकारिक लाइनअप जारी होने के बाद ही साफ होगा कि ओलिविया डीन o a a oo a 2027iaमें शामिल होंगी या भारत में उनका कोई अलग कॉन्सर्ट होगा।

तापसी पन्नू का टाइपकास्टिंग पर बड़ा बयान, बताई फिल्में ठुकराने की वजह

पिंक, थप्पड़ और मूलक जैसी दमदार और सामाजिक मुद्दों पर आधारित फिल्मों से हिंदी सिनेमा में अपनी एक अलग पहचान बनाने वाली तापसी पन्नू लीक से हटकर काम करने के लिए जानी जाती हैं। आज के समय में जहां यादातर कलाकार अपने कंफर्ट जोन में रहना पसंद करते हैं, वहीं तापसी ने जानबूझकर उन रास्तों को चुना है जो उन्हें एक अभिनेता के रूप में लगातार चुनौती देते रहें। हाल ही में दिए गए उनके बयानों ने फिल्म इंडस्ट्री के काम करने के तौर-तरीकों पर एक नई बहस छेड़ दी है।हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान तापसी ने खुलासा किया कि कैसे फिल्म इंडस्ट्री में कलाकारों को आसानी से किसी एक सांचे में ढाल दिया जाता है— जैसे ग्लैमरस रोल के लिए कुछ गिने-चुने नाम और गंभीर फिल्मों के लिए दूसरे चेहरे तय होते हैं। इस बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा,卐मैंने असल में इसी वजह से फिल्में ठुकराना शुरू कर दिया है। मैं मेकर्स से साफ कह देती हूं कि दर्शक फिल्म का अंत बहुत आसानी से भांप लेंगे, इसलिए मुझे इसमें कास्ट मत कीजिए, यह आपकी फिल्म के लिए नुकसानदेह हो सकता है।卐 उन्होंने यह भी माना कि शुरुआत में उन्हें मुख्यधारा के घिसे-पिटे रोल्स नहीं मिले, इसलिए उन्होंने जो रास्ते चुने, वही आगे चलकर उनके लिए मेनस्ट्रीम बन गए।अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए तापसी अपनी अगली बड़ी रिलीज गंधारी पर बात करती हैं। देवाशीष मखीजा द्वारा निर्देशित और कनिका ढिल्लन द्वारा लिखित व निर्मित यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर आ रही है। काल्पनिक शहर जॉयपुरा पर आधारित यह कहानी एक अंधी मां के संघर्ष के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपनी बेटी को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार है।

टॉक्सिक ने हिंदी में 100 करोड़ के क्लब में मारी एंट्री

यश की फिल्म टॉक्सिक को भले ही सिनेमाघरों में नेगेटिव रिव्यू मिले हैं लेकिन फिल्म हिंदी में जबरदस्त कमाई कर रही है. ये एक के बाद एक रिकॉर्ड्स तोड़ रही है. अब इस फिल्म ने एसएस राजामौली की फिल्म ऋक्क का रिकॉर्ड तोड़ते हुए महज चार दिनों में ही हिंदी में 100 करोड़ के क्लब में एंट्री मार ली है. इतना ही नहीं, इसने 2026 का भी बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है. चलिए बताते हैं फिल्म की कमाई.

टॉक्सिक का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन

यश ने फिल्म टॉक्सिक के जरिए सिनेमाघरों में 4 साल के बाद कमबैक किया था. फिल्म को लेकर काफी बज था तो इसने पहले ही दिन 100 करोड़ के क्लब में एंट्री मार ली थी. सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने पहले दिन 101.10 करोड़, दूसरे दिन 37.65 करोड़, तीसरे दिन 27.20 करोड़ का बिजनेस किया था. ऐसे में अब फिल्म चौथे दिन भी बेहतरीन कमाई कर रही है. सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने रात 10.30 बजे तक 24.50 करोड़ कमा लिए हैं. इसके बाद फिल्म का टोटल इंडिया नेट कलेक्शन 190.45 करोड़ पहुंच गया है.

इसी के साथ ही अगर टॉक्सिक की बाकी भाषाओं की कमाई के बारे में बात की जाए तो फिल्म ने हिंदी में सबसे यादा कमाई की है. सैकनिल्क के अनुसार, फिल्म ने हिंदी में 100 करोड़ से यादा 114.50 करोड़ का बिजनेस कर लिया है, जबकि कन्नड़ में 43.40 करोड़, मलयालम में 2.05 करोड़, तमिल में 8.50 करोड़ और तेलुगु में 22 करोड़ का कलेक्शन किया है.

टॉक्सिक ने हिंदी में 100 करोड़ की कमाई के साथ ही 2026 का बड़ा रिकॉर्ड बना दिया है. जहां तीन दिनों में ये 9वीं हाईएस्ट ग्रॉसिंग फिल्म बनी थी वहीं अब चौथे दिन की कमाई के बाद ये फिल्म 7वीं हाईएस्ट ग्रॉसिंग मूवी हिंदी में बन चुकी है. इसने कॉकटेल 2 (104.53 करोड़) और ओ रोमियो (83.35 करोड़) के रिकॉर्ड को तोड़ दिया है.

टॉप 10 की लिस्ट...

1. धुरंधर 2- 1186.32 करोड़
2. बॉर्डर 2- 362.76 करोड़
3. भूत बंगला- 199.23 करोड़
4. धमाल 4- 177.92 करोड़
5. आवारापन 2- 149.48 करोड़
6. वेलकम टू द जंगल- 137.93 करोड़
7. टॉक्सिक- 114.50 करोड़ (4 दिन)
8. कॉकटेल 2- 104.53 करोड़
9. ओ रोमियो- 83.35 करोड़
10. मैं वापस आऊंगा- 65.15 करोड़

टॉक्सिक ने तोड़ा ऋक्क का रिकॉर्ड

इतना ही नहीं, टॉक्सिक ने हिंदी में 100 करोड़ की कमाई के साथ ही एसएस राजामौली की फिल्म ऋक्क को भी पछाड़ दिया है. इसने 4 दिनों में 100 करोड़ का आंकड़ा पार किया है जबकि राजामौली की ऋक्क ने पांच दिनों में 100 करोड़ का आंकड़ा हिंदी में पार किया था. मेकर्स के लिए ये किसी सफलता से कम नहीं है. आपको बता दें कि इसका निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है और फिल्म को प्रोड्यूस यश ने किया है।

सूर्यकुमार ने की क्रिकेटरों से दूसरे खेलों को बढ़ावा देने की अपील

बोले- हम सबसे पहले एक टीम हैं

नई दिल्ली । भारत के पूर्व टी20 कप्तान सूर्यकुमार यादव ने क्रिकेटरों से अपील की है कि वे दूसरे खेलों को बढ़ावा देने के लिए अपने प्रभाव का इस्तेमाल करें। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि अलग-अलग खेलों के भारतीय खिलाड़ी एक ही राष्ट्रीय खेल इकोसिस्टम का हिस्सा हैं। राष्ट्रीय खेल दिवस पर 'आईएएनएस' से ??बात करते हुए सूर्यकुमार ने कहा कि यह दिन उन मूल्यों की याद दिलाता है जो खेल सिखाते हैं और भारत का प्रतिनिधित्व करने के साथ आने वाली जिम्मेदारी का भी एहसास कराता है। सूर्यकुमार ने ??कहा, 'मुझे लगता है कि राष्ट्रीय खेल दिवस का मतलब है कि खेल आपको क्या सिखाते हैं। क्रिकेट के नजरिए से देखें तो भारतीय जर्सी पहनना बहुत मायने रखता है। हम सिर्फ 11 खिलाड़ियों या स्क्वाड के 15 खिलाड़ियों का प्रतिनिधित्व नहीं करते, हम लगभग 1.4 अरब लोगों के सपनों का भी प्रतिनिधित्व करते हैं।' भारत के इस खिलाड़ी ने कहा कि राष्ट्रीय जर्सी में हर बार मैदान पर उतरने के साथ पूरे देश की उम्मीदें और आकांक्षाएं जुड़ी होती हैं। उन्होंने कहा, 'यह दिन मुझे याद दिलाता है कि जब भी हम मैदान पर कदम रखते हैं, तो हम अपने पूरे देश की भावना को साथ लेकर चलते हैं। ' सूर्यकुमार ने भारत में क्रिकेट की जबरदस्त लोकप्रियता को भी माना, लेकिन कहा कि इसके दबदबे के साथ दूसरे खेलों के खिलाड़ियों पर भी ध्यान दिलाने की जिम्मेदारी आती है। उन्होंने कहा, 'बिल्कुल। मैं बहुत आभार के साथ यह कहता हूं कि भारत में खेलों की बातचीत में क्रिकेट का दबदबा है। हालांकि, साथ ही क्रिकेट ने हमें सब कुछ दिया है क्योंकि भारत ने क्रिकेट को बहुत प्यार दिया है। ' अलग-अलग खेलों में भारतीय खिलाड़ियों की बढ़ती उपलब्धियों की ओर इशारा करते हुए सूर्यकुमार ने कहा कि एक बड़े क्रिकेटर की छोटी सी पहल भी दूसरे खेलों की ओर ध्यान खींचने में मदद कर सकती है। उन्होंने कहा, 'आज, जब मैं अलग-अलग खेलों के खिलाड़ियों को वैसे ही भारत का नाम रोशन करते देखता हूं जैसे क्रिकेटर करते हैं, तो मुझे लगता है कि हमारी भी जिम्मेदारी है। चाहे सोशल मीडिया पर किसी दूसरे खेल के बारे में पोस्ट करना हो या बस एक इंस्टाग्राम स्टोरी लगाना हो, इससे दूसरे खेल पर लोगों का ध्यान जा सकता है। ' 35 वर्षीय खिलाड़ी ने अपने साथी क्रिकेटरों से दूसरे खेलों के खिलाड़ियों का सक्रिय रूप से समर्थन करने का आग्रह किया और इस बात पर जोर दिया कि खेल में सफलता आखिरकार एक ही राष्ट्रीय मकसद को पूरा करती है। सूर्यकुमार ने कहा, 'हमें निश्चित रूप से ऐसा करना चाहिए क्योंकि आखिरकार, हम सब सबसे पहले टीम इंडिया हैं।

टखने की चोट के कारण बाकी सीजन से बाहर हुए नीरज चोपड़ा, जताई निराशा

नई दिल्ली । भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा टखने की चोट के कारण बचे हुए पूरे सीजन से बाहर हो गए हैं। नीरज ने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी है। नीरज ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'काफी समय की मेहनत के बाद मुझे लगा था कि मैं अपनी लय हासिल करने लगा हूं। लुसाने में मैंने इस सीजन का अपना बेस्ट थ्रो भी फेंका था। हालांकि, दुर्भाग्यवश इसके ठीक बाद ही ट्रेनिंग के दौरान मेरे टखने का लिगामेंट फट गया है। अपने डॉक्टर और टीम से बातचीत करने के बाद हमने यह फैसला लिया है कि मैं बचे हुए सीजन से बाहर बैठूंगा' नीरज ने आगे लिखा, 'यह काफी निराशाजनक है, क्योंकि मैं पूरी तरह से अपनी लय हासिल करने के काफी करीब था। हालांकि, जैसा कहा जाता है कि 'बाधाएं और असफलताएं हमारी सफलता की यात्रा का एक स्वाभाविक हिस्सा हैं।' मेरा पूरा ध्यान अच्छे से रिकवरी करने और मजबूती से वापसी करने पर है। आपके प्यार और सपोर्ट के लिए धन्यवाद। '

पाकिस्तानी बल्लेबाजों के लगातार 'फ्लॉप शो' पर भड़के कोच सरफराज

क्रीज पर समय बिताने की दी सलाह

नई दिल्ली । पाकिस्तान के हेड कोच सरफराज अहमद ने टीम के बल्लेबाजों के प्रदर्शन से खासा नाखुश हैं। सरफराज का कहना है कि पाकिस्तानी बल्लेबाज क्रीज पर ज्यादा समय नहीं बिता पा रहे हैं और इसी कारण टीम 30 से 35 ओवरों के अंदर ही ऑलआउट हो जा रही है। लीड्स टेस्ट की पहली पारी में 171 और दूसरी में 135 रनों पर सिमटने के बाद पाकिस्तान के बल्लेबाजों का हाल लॉर्ड्स टेस्ट की पहली इनिंग में भी बेहाल रहा। इंग्लिश तेज गेंदबाजों के सामने टीम के बल्लेबाजों ने आसानी से घुटने टेक दिए और पूरी टीम महज 110 रन बनाकर सिमट गई। सरफराज ने टीम के बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन को चिंता का विषय बताया। उन्होंने कहा, 'आप इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि हमारी टीम 30 या 35 ओवर में ही ऑलआउट हो रही है। जाहिर है कि हमने इस पर बात की है और बल्लेबाजों को भी पता है कि हम पिच पर अधिक समय नहीं बिता रहे हैं। 'उन्होंने आगे कहा, 'हां, हालात बल्लेबाजों के लिए निश्चित रूप से मुश्किल हैं, लेकिन जो भी बल्लेबाज क्रीज पर ज्यादा समय बिताएगा और 30 से 40 गेंदें खेलेगा, उसे फायदा होगा। शुरुआती 30-40 गेंदें मुश्किल होती हैं ।

सेंट्रल दिल्ली किंग्स को फाइनल में पहुंचाकर खुश कप्तान जोंटी सिद्धू

'एक ओवर में चार छक्कों ने गेम बदला'

नई दिल्ली । सेंट्रल दिल्ली किंग्स शुक्रवार को पुरानी दिल्ली 6 के खिलाफ 72 रन से दमदार जीत दर्ज करते हुए फाइनल में पहुंची, जहां 30 अगस्त को उसका सामना साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स से होगा। अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए क्वालीफायर-2 में किंग्स के कप्तान जोंटी सिद्धू ने 46 गेंदों में 10 छक्कों और 5 चौकों के साथ 106 रन की नाबाद पारी खेली। उनकी इस पारी के दम पर टीम ने 20 ओवरों में 218/5 का स्कोर खड़ा किया, जिसके बाद पुरानी दिल्ली को 17.4 ओवरों में 146 रन पर समेट दिया। बतौर गेंदबाज जोंटी ने 3 ओवरों में 25 रन देकर 3 विकेट चटकाए। शानदार ऑलराउंडर प्रदर्शन के लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। इस नॉकआउट मुकाबले में अपने मैच जिताऊ प्रदर्शन पर बात करते हुए सिद्धू ने बताया कि जब टीम दबाव में थी, तब ऐसा प्रदर्शन करना बहुत संतोषजनक था। जीत के बाद उन्होंने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं। मैंने अपनी टीम के लिए बल्लेबाजी और गेंदबाजी, दोनों में अहम योगदान दिया। इस चरण पर टीम को ऐसे ही प्रदर्शन की सबसे ज्यादा जरूरत थी, इसलिए मुझे खुशी है कि यह सही समय पर हुआ। '

जब शुरुआती विकेट गिर गए और अनुमानित स्कोर कम लग रहा था, तब सिद्धू और उनके साथी आदित्य भंडारी (नाबाद 24) ने आखिरी ओवरों में तूफानी बल्लेबाजी करते हुए सेंट्रल दिल्ली को एक मजबूत स्कोर तक पहुंचाया। दोनों के बीच 22 गेंदों में 64 रन की अटूट साझेदारी हुई।

कप्तान ने बताया, 'भंडारी और मैंने बात की थी कि अगर हम क्रीज पर टिके रहे, तो हमें एक बड़ा ओवर मिल जाएगा, जिससे मैच का रुख बदल जाएगा। ठीक वैसा ही हुआ; मैंने एक ओवर में चार छक्के मारे, भंडारी ने दो मारे, और अचानक हम 200 रन के करीब पहुंच गए। वे (पुरानी दिल्ली 6) मेरे खिलाफ वाइड यॉर्कर डालने की कोशिश कर रहे थे, इसलिए मैंने अंदाजा लगा लिया कि गेंदें कहां गिरेंगी। मैंने उनकी रणनीति का सामना करने के लिए खुद पर भरोसा रखा और भगवान की कृपा से, मैंने गेंद को अच्छे से हिट किया। ' जोंटी सिद्धू ने मॉडर्न टी20 क्रिकेट के हिसाब से अपने गेम को ढालने के लिए जरूरी समर्पण के बारे में भी बात करते हुए कहा, 'हम बचपन से ही एकेडमी में रेड-बॉल क्रिकेट की प्रैक्टिस करते हैं, लेकिन टी20 के हिसाब से खुद को ढालने में मुझे एक-दो साल लग गए। मैंने पिछले 6-7 महीनों में अपने खेल के इस पहलू को बेहतर बनाने के लिए बहुत मेहनत की है, क्योंकि आज के क्रिकेट में इसकी जरूरत है। ' जोंटी सिद्धू ने खास अंदाज में अपने पहले टी20 शतक का जश्न मनाया। उन्होंने इसके पीछे की दिलचस्प कहानी बताते हुए कहा, 'हमने होटल में योजना बनाई थी कि अगर हम जीतने की स्थिति में होंगे, तो मैं एक खास सेलिब्रेशन करूंगा।

हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण सेमीफाइनल मुकाबले से बाहर हो सकते हैं यश धुल

नई दिल्ली । नॉर्थ जोन के टॉप-ऑर्डर बल्लेबाज यश धुल हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण साउथ जोन के खिलाफ होने वाले दलीप ट्रॉफी के सेमीफाइल मुकाबले को मिस कर सकते हैं। यह मुकाबला रविवार से बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) मैदान पर खेला जाना है। यश धुल की जगह पर सलामी बल्लेबाज सनत सांगवान को मौका मिल सकता है, जो कमरान इकबाल के साथ पारी का आगाज करते हुए दिखाई दे सकते हैं। माना जा रहा है कि भारत की अंडर-19 टीम के पूर्व कप्तान उदय सहारन को धुल की जगह टीम में बुलाया गया है। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने शनिवार को 'आईएएनएस' को बताया, 'हालांकि वह आज ट्रेनिंग कर रहे थे, लेकिन ग्रेड-2 हैमस्ट्रिंग चोट की आशंका के कारण यश धुल सेमीफाइनल मैच से बाहर हो सकते हैं। माना जा रहा है कि उनकी जगह उदय सहारन टीम में आ सकते हैं। इसका मतलब है कि रविवार से शुरू होने वाले मैच में सनत सांगवान के खेलने की संभावना अधिक है। ' धुल की हैमस्ट्रिंग चोट वेस्ट जोन के खिलाफ क्वार्टर फाइनल में विवादास्पद चयन फैसले के ठीक बाद आई है। उस मैच में नॉर्थ जोन के कोच अजय शर्मा और सरनदीप सिंह ने पिछले रणजी ट्रॉफी सीजन में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सांगवान को हटाकर धुल को मौका दिया था, जिन्होंने 2022 पुरुष अंडर 19 वर्ल्ड कप में भारत को जीत दिलाई थी। धुल को मौका देने पर कई तरह के सवाल खड़े किए गए थे। वह 2025-26 के रणजी सीजन में सिर्फ 381 रन ही बना सके थे। उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर उतारा गया था, जबकि वह उस भूमिका के स्पेशलिस्ट नहीं हैं। वेस्ट जोन के तेज गेंदबाजों के खिलाफ धुल संघर्ष करते हुए भी दिखाई दिए थे और वह पहली पारी में 9 और दूसरी में बिना खाता खोले आउट हुए थे। इस कारण टीम के फैसले की खूब आलोचना हुई थी। नॉर्थ जोन अब पूरे आत्मविश्वास के साथ सेमीफाइनल में उतरेगा। टीम को भारत के तेज गेंदबाज गुरनूर बरार के जुड़ने से और मजबूती मिली है। नॉर्थ जोन ने स्टार खिलाड़ियों से सजी वेस्ट जोन टीम को 52 रन से हराया था, जिससे खिलाड़ियों का मनोबल काफी बढ़ा हुआ है।

सूत्र ने आगे कहा, 'साहिल लोटरा को भी टीम से रिलीज कर दिया गया है, जबकि आयुष बदोनी बुखार से ठीक होने के बाद खेलने के लिए तैयार हैं।' वहीं, पिछले साल की उपविजेता टीम साउथ जोन की कप्तानी भारत के टी20 उप-कप्तान तिलक वर्मा करेंगे। टीम में रिकी भुई, शेख रशीद, नारायण जगदीसन और करुण नायर जैसे अन्य बल्लेबाज़ भी शामिल होंगे। लेग-स्पिनर श्रेयस गोपाल और बाएं हाथ के स्पिनर तनाय त्यागराजन भी उपयोगी साबित हो सकते हैं, जबकि एमडी निधीश और विद्वथ कावेरप्पा मुख्य तेज गेंदबाज होंगे।

गुरनूर बरार को दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए नॉर्थ जोन टीम में जगह दी गई

नई दिल्ली । तेज गेंदबाज गुरनूर बरार को रविवार से बेंगलुरु में बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में साउथ जोन के खिलाफ शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी सेमीफाइनल के लिए नॉर्थ जोन की टीम में शामिल किया गया है। गुरनूर श्रीलंका के खिलाफ हुई टेस्ट सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा थे। गुरनूर को नॉर्थ जोन की प्लेइंग इलेवन में जगह मिलने की संभावना है। भारतीय टीम मैनेजमेंट अगले दौरों से पूर्व उन्हें रेड बॉल में ज्यादा से ज्यादा मौके देना चाहता है। गुरनूर भारत की पिछली दो टेस्ट टीमों का हिस्सा रहे हैं, लेकिन उनका टेस्ट डेब्यू अभी बाकी है। जुलाई में, वह इंडिया ए के श्रीलंका के शैडो टूर पर गए थे, और दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट में 145 रन देकर 10 विकेट लिए थे। गुरनूर के प्रथम श्रेणी करियर के रिकॉर्ड पर नजर डालें तो वह 19 मैचों में 25.24 की औसत से 62 विकेट ले चुके हैं। 23 साल के गुरनूर ने जून में अफगानिस्तान के खिलाफ वनडे में डेब्यू किया और भारत के हाल के इंग्लैंड दौरे पर तीनों वनडे मैच खेले। वह अब तक 6 वनडे मैचों में 11 विकेट ले चुके हैं। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए जम्मू और कश्मीर के तेज गेंदबाज औकिब नबी का चयन भी भारतीय टीम में हुआ था। हालांकि, उन्हें भी डेब्यू का मौका नहीं मिला। रिपोर्ट के मुताबिक नबी अपने वीजा पेपरवर्क के पूरा होने पर इंग्लिश काउंटी सर्किट में खेलने की सोच रहे हैं। चयनकर्ता भी चाहते हैं कि नबी तेज गेंदबाजों के लिए आसान हालात में कुछ मैच खेलें। नबी को भी न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में भी मौका मिल सकता है ।

घरेलू क्रिकेट में लगातार दमदार प्रदर्शन

फिर भी भारत की टेस्ट टीम में मौके को तरस रहे ये 5 खिलाड़ी

नई दिल्ली । भारत में घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन को सिलेक्शन का आधार माना जाता है। खासतौर पर टेस्ट क्रिकेट में खिलाड़ियों का सिलेक्शन उनके घरेलू क्रिकेट के प्रदर्शन पर काफी हद तक निर्भर भी करता है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंटरनेशनल

क्रिकेटर्स को भी खाली समय में घरेलू क्रिकेट में हिस्सा लेने की सलाह दे चुका है। इस कड़ी में ईशान किशन और श्रेयस अय्यर के खिलाफ सख्त कदम भी उठाए जा चुके हैं। हालांकि, भारत के घरेलू क्रिकेट में कुछ ऐसे खिलाड़ी भी हैं, जो वर्षों से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सिलेक्टर्स का ध्यान अपनी ओर नहीं खींच पा रहे हैं। इन खिलाड़ियों के आंकड़े गवाही दे रहे हैं कि इन्हें कम से कम टेस्ट टीम में मौका और मैदान पर अपनी काबिलियत दिखाने के लिए टी20 फॉर्मेट से आने वाले खिलाड़ियों के ऊपर तरजीह जरूर मिलनी चाहिए। अभिमन्यु ईश्वरनः फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में खेले 114 मुकाबलों में 47 की औसत से 8,396 रन बना चुके अभिमन्यु ईश्वरन भारतीय ड्रेसिंग रूम तक तो पहुंच चुके हैं, लेकिन पिछले तीन साल से अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। अनुभव और दमदार रिकॉर्ड होने के बावजूद अभिमन्यु ड्रेसिंग रूम में बैठकर मैदान पर भारत की जर्सी पहनकर उतरने का सपना ही देखते रहे हैं। फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में वह 27 शतक और 36 अर्धशतक भी लगा चुके हैं। अभिमन्यु का फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में डेब्यू 2013 में हुआ था और उनकी उम्र डेब्यू का इंतजार करते-करते 30 साल हो चुकी है। धर्मेंद्रसिंह जडेजाः 100 फर्स्ट-क्लास मैचों में 423 विकेट। लिस्ट-ए क्रिकेट में 121 विकेट और टी20 में 65 विकेट। यह धर्मेंद्रसिंह जडेजा के बेमिसाल आंकड़े हैं, जिन्होंने साल 2013 में फर्स्ट-क्लास डेब्यू किया था। हालांकि, वह पिछले 13 वर्षों से भारतीय टेस्ट टीम में चुने जाने की आस लगाए बैठे हैं। शाहबाज अहमदः भारत के लिए 3 वनडे और दो टी20 इंटरनेशनल मुकाबले खेल चुके शाहबाज अहमद लंबे समय से टेस्ट टीम में मौका मिलने की राह देख रहे हैं। शाहबाज बल्ले के साथ-साथ गेंद से भी अहम योगदान दे सकते हैं।

अनुभवी खिलाड़ियों का संन्यास, विशेषज्ञों की अनदेखी, प्लेइंग इलेवन में लगातार बदलाव बना टेस्ट फॉर्मेट में टीम इंडिया की असफलता की वजह

नई दिल्ली। गौतम गंभीर के हेड कोच बनने के बाद भारतीय क्रिकेट टीम का प्रदर्शन टेस्ट क्रिकेट में निराशाजनक रहा है। भारतीय टीम अपने घर में टेस्ट सीरीज नहीं जीत पा रही है। शुरुआती 2 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेलने वाली टीम इंडिया के लिए अब फाइनल खेलना एक सपने की तरह लगने लगा है। भारतीय क्रिकेट टीम टेस्ट फॉर्मेट में बदलाव के दौर से गुजर रही है। इस बदलाव का असर टीम के प्रदर्शन और परिणाम पर दिख रहा है। कभी अपने घर में टेस्ट में अजेय मानी जाने वाली भारतीय न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ न सिर्फ सीरीज हार रही है, बल्कि सीरीज के सभी मैच गंवा रही है। विदेशों में भी टेस्ट में टीम इंडिया के प्रदर्शन में गिरावट आई है। बल्लेबाजी, हो या गेंदबाजी या फिर क्षेत्ररक्षण, खेल के तीनों विभागों में भारतीय टीम संघर्ष के दौर से गुजर रही है। यह स्थिति गौतम गंभीर के हेड कोच बनने के बाद ज्यादा देखने को मिली है।

गंभीर के हेड कोच बनने के बाद टेस्ट फॉर्मेट से कई दिग्गजों ने संन्यास लिया है। इसमें विराट कोहली, आर अश्विन और रोहित शर्मा प्रमुख हैं। कभी टेस्ट क्रिकेट में भारतीय टीम का भरोसेमंद चेहरा रहे रहाणे ने भी हाल ही में टेस्ट टीम से लगभग 2 साल से ज्यादा समय तक बाहर रहने के बाद हाल ही में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा है।

विराट और अश्विन पिछले एक दशक में भारतीय टीम को टेस्ट क्रिकेट में देश-विदेश में मिली सफलता की सबसे बड़ी वजह हैं। दोनों फिलहाल फिट हैं, विराट अंतरराष्ट्रीय वनडे और आईपीएल खेल रहे हैं, जबकि अश्विन लीग क्रिकेट में सक्रिय हैं। लेकिन, दोनों ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। विराट और अश्विन के संन्यास में टेस्ट में भारतीय टीम की बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों कमजोर की है। टीम इंडिया इन दोनों खिलाड़ियों के विकल्प के रूप में कई खिलाड़ियों को आजमा चुकी है, लेकिन सही विकल्प अभी तक नहीं मिल सका है। टेस्ट क्रिकेट में अनुभवी खिलाड़ियों और टेस्ट के विशेषज्ञों की हमेशा जरूरत होती है। पिछले कुछ समय से भारतीय टीम प्रयोग ज्यादा कर रही है, जिसका नुकसान सीधा प्रदर्शन पर दिख रहा है। मोहम्मद शमी लंबे समय से टीम से बाहर हैं। घरेलू क्रिकेट खेल रहे हैं और लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। शमी के अनुभव और गेंदबाजी क्षमता को देखते हुए वह मौजूदा समय में भारतीय क्रिकेट के बेहतरीन तेज गेंदबाजों में से एक हैं, इसके बावजूद उन्हें राष्ट्रीय टीम में जगह नहीं देकर युवा खिलाड़ियों को मौका देना, टीम के प्रदर्शन को प्रभावित कर रहा है। यही हाल अक्षर पटेल के साथ भी है। अक्षर गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों अपनी क्षमता साबित कर चुके हैं। उन्हें अश्विन के बाद टेस्ट टीम का नियमित सदस्य माना जाता है, लेकिन वह टीम से बाहर हैं। उनकी जगह नए ऑलराउंडरों को ढूंढा जा रहा है। युवाओं को मौका देना गलत नहीं, लेकिन अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता। सरफराज खान ने प्रथम श्रेणी में असाधारण प्रदर्शन किया है। वह राष्ट्रीय टीम के लिए भी कई अच्छी पारियां खेल चुके हैं, इसके बावजूद टीम में उनका स्थान नहीं है। कुलदीप यादव को नियमित तौर पर टेस्ट में मौका नहीं मिल रहा, इससे स्पिन गेंदबाजी कमजोर हो रही है।

चित्रकूट में बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का पैदल निरीक्षण, राहत शिविर पहुंचकर प्रभावितों को बांटी

संकट की घड़ी में पूरी सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को चित्रकूट पहुंचकर बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उन्हें हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि संकट की इस घड़ी में पूरी सरकार बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ी है। बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई नियमानुसार की जाएगी।मुख्यमंत्री ने प्राचीन मुखारविंद के पास बनाए गए राहत शिविर में पहुंचकर प्रभावित परिवारों की कुशल-क्षेम जानी तथा उन्हें वस्त्र, घरेलू सामग्री और खाद्यान्न सहित राहत सामग्री वितरित की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनजीवन सामान्य होने तक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी चित्रकूट में ही रहकर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी करें। अधिकारियों को कम से कम तीन दिन तक मौके पर रहकर प्रभावितों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए।

जलभराव वाले क्षेत्रों में पैदल पहुंचे मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने रामधाम मोहल्ले के

जलभराव प्रभावित क्षेत्रों का पैदल भ्रमण किया। कीचड़ से भरे रास्तों से होते हुए वे प्रभावित परिवारों के घरों तक पहुंचे और नुकसान का जायजा लिया। उन्होंने रामफल गर्ग और किस्मत कुमार गर्ग से चर्चा कर जलभराव से हुए नुकसान की जानकारी ली तथा हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया।

सतना-चित्रकूट मार्ग पर माधव धर्मशाला के समीप अग्रहरि किराना स्टोर पहुंचकर मुख्यमंत्री ने दुकानदार कामता प्रसाद गुप्ता से भी मुलाकात की और दुकान में पानी भरने से हुए नुकसान का जायजा लिया।

भोजन, पानी और चिकित्सा व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देशमुख्यमंत्री ने कहा कि लगातार हुई अतिवृष्टि के कारण सेमरावल और मंदाकिनी नदियों का जलस्तर बढ़ने से चित्रकूट में बाढ़ की स्थिति बनी। कई घरों में पानी घुसने से घरेलू सामान को नुकसान पहुंचा है। जिला प्रशासन की तत्परता से अब तक किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। राहत एवं बचाव कार्य लगातार जारी हैं।

उन्होंने अधिकारियों को प्रभावित लोगों के लिए भोजन, वस्त्र, पेयजल और चिकित्सा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं तत्काल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाढ़ से हुए नुकसान का सर्वे कराया जाएगा। जिन लोगों के पशुओं की हानि हुई है अथवा अन्य नुकसान हुआ है, उन्हें भी नियमानुसार राहत एवं आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने शनिवार रात रीवा में रुककर सतना और रीवा जिलों में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा की थी। मौसम पूवार्नुमान के कारण प्रशासन पहले से अलर्ट था, जिससे राहत एवं बचाव कार्य समय पर शुरू किए जा सके।

मन की बात में प्रधानमंत्री मोदी ने युवाओं से नशा मुक्त भारत अभियान से जुड़ने का किया आह्वान

अभियान 2 अगस्त से प्रारंभ हुआ है और 100 सप्ताह तक लगातार संचालित किया जाएगा। इसके तहत विशेष रूप से युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने के साथ प्रत्येक रविवार को समाज सेवा और जन-जागरूकता से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

भोपाल । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को प्रसारित ह्यमन की बात के 137वें संस्करण में युवाओं से नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान से सक्रिय रूप से जुड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि अभियान का लक्ष्य स्पष्ट है–नशा मुक्त युवा और ड्रग फ्री इंडिया। उन्होंने युवाओं से अभियान को प्रभावी बनाने के लिए अपनी रचनात्मक प्रतिभा का उपयोग करने का आह्वान किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि युवा अपनी रुचि और वर्तमान पीढ़ी की पसंद के अनुरूप स्लोगन, जिंगल, गीत, नाटक, ग्राफिक्स और अन्य रचनात्मक सामग्री तैयार कर अभियान को गति दे सकते हैं। उन्होंने युवा संगीतकारों से ड्रग फ्री जीवन का संदेश देने वाले गीत तथा विद्यार्थियों और थिएटर समूहों से नशे के दुष्परिणामों और इससे बाहर निकलने के रास्ते पर आधारित लघु नाटक तैयार करने का आग्रह किया।

उन्होंने कहा कि नशे की लत केवल व्यक्ति को प्रभावित नहीं करती, बल्कि इसके दुष्परिणाम पूरे परिवार और समाज को भी झेलने पड़ते हैं। नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने और नशे की लत से जूझ रहे लोगों की मदद करने वालों की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री ने युवाओं से अलग-अलग भाषाओं में प्रभावी सामग्री तैयार कर सोशल मीडिया पर साझा करने की अपील की।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत अभियान देशभर में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि अभियान 2 अगस्त से प्रारंभ हुआ है और 100 सप्ताह तक लगातार संचालित किया जाएगा। इसके तहत विशेष रूप से युवाओं को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करने के साथ प्रत्येक रविवार को समाज सेवा और जन-जागरूकता से जुड़ी गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

बायबायोमेडिका–2026 में मौखिक शोध प्रस्तुति श्रेणी में हासिल की उपलब्धि

एम्स भोपाल की पीएचडी शोध छात्रा मयूरी बिसेन ने राष्ट्रीय सम्मेलन में जीता प्रथम पुरस्कार

भोपाल। एम्स भोपाल के जैवरसायन विभाग की पीएचडी शोध छात्रा सुश्री मयूरी बिसेन ने राष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक सम्मेलन बायबायोमेडिका-2026 में मौखिक शोध प्रस्तुति श्रेणी में प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर संस्थान का गौरव बढ़ाया है। उन्होंने डॉ. सुखेस मुखर्जी के मार्गदर्शन में ह्यभारी धातुओं के संपर्क से उत्पन्न कोशिकीय तनाव में सर्वाइवरिन की भूमिकाः एक क्रॉस-सेक्शनल अध्ययनह्व विषय पर शोध प्रस्तुत किया।

शोध प्रस्तुति का सारांश कोड एनएमएमटीए-बीओपी-01 था। शोध में यह समझने का प्रयास किया गया कि सीसा, पारा और अन्य भारी धातुओं के संपर्क में आने पर शरीर की कोशिकाओं में किस प्रकार का तनाव उत्पन्न होता है और इस दौरान सर्वाइवरिन किस तरह भूमिका निभाता है।भारी धातुओं के संपर्क से कोशिकाओं की सामान्य कार्यप्रणाली प्रभावित हो सकती है। ऐसे में सर्वाइवरिन कोशिकाओं की गतिविधियों और तनाव के प्रति उनकी प्रतिक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। शोध का उद्देश्य इसी प्रक्रिया को बेहतर ढंग से समझना है।

भारी धातुओं का संपर्क पर्यावरण और कुछ कार्यस्थलों के माध्यम से होने की संभावना के कारण इस क्षेत्र में शोध महत्वपूर्ण माना जाता है। यह अध्ययन भविष्य में भारी धातुओं के कारण स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों को समझने में उपयोगी हो सकता है।

इस उपलब्धि पर मयूरी बिसेन,

उनके मार्गदर्शक डॉ. सुखेस मुखर्जी, सहकर्मियों और एम्स भोपाल परिवार ने प्रसन्नता व्यक्त की। संस्थान के कार्यपालक निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल (डॉ.) नरेन्द्र कोतवाल (रि.) के प्रोत्साहन और मार्गदर्शन को भी इस उपलब्धि में महत्वपूर्ण बताया गया है।

कैट के व्यापारिक सम्मेलन में विधानसभा अध्यक्ष ने व्यापारियों की भूमिका को बताया महत्वपूर्ण

मोदी जी के संकल्प और व्यापारी समाज के साथ से विकसित बनेगा भारत : विधानसभा अध्यक्ष तोमर

भोपाल।मध्यप्रदेश विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि व्यापार और व्यवसाय देश की अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार हैं। व्यापार का विस्तार और व्यापारियों के सामने आने वाली कठिनाइयों का समाधान देश की आर्थिक प्रगति के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प और व्यापारी समाज के सहयोग से विकसित भारत का निर्माण संभव है।श्री तोमर विधानसभा परिसर स्थित मानसरोवर सभागार में कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के व्यापारिक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बड़े सुधारों के लिए स्पष्ट संकल्प, साफ नीयत और प्रभावी नीतियां जरूरी हैं। व्यापारियों की कठिनाइयां दूर करने के उद्देश्य से जीएसटी जैसे कर सुधार किए गए। शुरूआती दौर में कुछ परेशानियां आईं, लेकिन व्यापक राष्ट्रीय हित में व्यापारी समाज और जनता ने इन सुधारों का सहयोग किया।उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने ह्यमेक इन इंडियाह्व और ह्यलोकल फॉर वोकलह्व के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की दिशा में महत्वपूर्ण विचार दिया है। लोकल फॉर वोकल का अर्थ केवल त्योहारों पर स्थानीय उत्पाद खरीदना नहीं, बल्कि स्थानीय उत्पादों, कारीगरों, छोटे व्यापारियों, स्वयं सहायता समूहों और ग्रामीण उद्यमियों को लगातार प्रोत्साहित करना है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि देश में वंदे भारत जैसी ट्रेनों का निर्माण भारत की तकनीकी क्षमता और स्वदेशी शक्ति का उदाहरण है।

इसमें सरकार के साथ उद्योग और व्यापार जगत का योगदान भी महत्वपूर्ण है। विकसित भारत के निर्माण में किसान, श्रमिक, छोटे व्यापारी, गरीब और सामान्य नागरिक सभी की भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बूंद-बूंद से घड़ा भरता है, इसलिए छोटे से छोटे व्यक्ति का योगदान भी बड़े बदलाव का आधार बनता है।

बच्चों में कैंसर के शुरूआती संकेतों की पहचान जरूरी : एम्स भोपाल विशेषज्ञ

भोपाल । बच्चों में कैंसर की जितनी जल्दी पहचान हो, उपचार के सफल होने की संभावना उतनी ही अधिक रहती है। कई बार कैंसर के शुरूआती लक्षण सामान्य बीमारियों जैसे दिखाई देते हैं, जिससे इलाज में देरी हो सकती है। इसी विषय पर एम्स भोपाल के बाल रोग विभाग के प्रोफेसर एवं बाल रक्त रोग-कैंसर विशेषज्ञ नरेंद्र कुमार चौधरी और डीएम बाल रक्त रोग एवं कैंसर रेजिडेंट डॉ. मेघा धवन ने राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) के सामुदायिक चिकित्सा अधिकारियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम में विशेषज्ञ व्याख्यान दिए।

कैंकिड्स-किड्सकैन द्वारा आयोजित प्रशिक्षण में विशेषज्ञों ने चिकित्सा अधिकारियों को बच्चों में कैंसर के शुरूआती संकेत पहचानने, प्राथमिक स्तर पर आवश्यक जांच कराने और संदिग्ध मामलों को समय पर विशेषज्ञ उपचार केंद्र भेजने की जानकारी दी।प्रशिक्षण में बताया गया कि दो सप्ताह से अधिक समय तक बिना कारण बुखार, बिना कारण वजन कम होना, असामान्य रक्तस्राव, लगातार हड्डियों में दर्द, शरीर या पेट में गांठ अथवा सूजन जैसे लक्षण गंभीर बीमारी के संकेत हो सकते हैं। सुबह के समय सिरदर्द के साथ उल्टी होना मस्तिष्क में गांठ का संकेत हो सकता है। वहीं शिशु की आंख में सफेद चमक या सफेद प्रतिबिंब दिखाई देना रेटिनोब्लास्टोमा यानी आंख के कैंसर का संभावित संकेत हो सकता है।विशेषज्ञों ने बताया कि शुरूआती पहचान और उचित उपचार मिलने पर बचपन के कैंसर में 70 से 90 प्रतिशत तक बच्चों के ठीक होने की संभावना हो सकती है।

एनजीटी के 7 आदेश बेअसर,कार्रवाई ठंडे बस्ते में, एफटीएल सीमा के भीतर सडक और निर्माण के आरोप

बड़ा तालाब अभी भी अतिक्रमण की जद में

भोपाल । भोपाल के बड़े तालाब को अतिक्रमण से मुक्त कराने के लिए राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) के लगातार आदेशों के बावजूद जमीन पर कार्रवाई को लेकर सवाल उठ रहे हैं। याचिकाकर्ता राशिद नूर खान का दावा है कि तालाब से जुड़े मामले में एनजीटी सात बार निर्देश दे चुका है, लेकिन करीब 365 चिन्हित अतिक्रमणों में अब तक पूरी कार्रवाई नहीं हो सकी है। उनका आरोप है कि एफटीएल सीमा के आसपास कई कब्जे अभी भी मौजूद हैं। अब उन्होंने प्रशासन के सामने एक अलग मांग रखी है। उनका कहना है कि बारिश के दौरान ही बड़े तालाब की वास्तविक जल-सीमा का वैज्ञानिक सर्वे कराया जाए, क्योंकि इस समय पानी उन हिस्सों तक पहुंच रहा है जिन्हें सामान्य परिस्थितियों में तालाब की सीमा से बाहर माना जाता है।बड़े तालाब को अतिक्रमण मुक्त कराने का मामला लंबे समय से प्रशासन और नगर निगम के सामने है। याचिकाकर्ता के अनुसार, एनजीटी इस मामले में सात बार आदेश जारी कर चुका है। इसके बावजूद कार्रवाई कभी अमले की कमी तो कभी पुलिस बल उपलब्ध नहीं होने के कारण प्रभावित हुई। अब बारिश को भी कार्रवाई में रुकावट की वजह बताया जा रहा है। याचिकाकर्ता का आरोप है कि प्रशासन की ओर से कार्रवाई की प्रक्रिया धीमी गति से आगे बढ़ रही है और तालाब की सीमा के भीतर चिन्हित किए गए कई अतिक्रमण अभी भी कायम हैं।

365 अतिक्रमण चिन्हित, 23 एफटीएल के पास

राशिद नूर के मुताबिक, तालाब क्षेत्र में करीब 365 अतिक्रमण चिन्हित किए गए हैं। इनमें से कई पर कार्रवाई अभी पूरी नहीं हुई है। उनका यह भी दावा है कि एफटीएल से सटे 23 अतिक्रमण लंबे समय से हटाए नहीं गए हैं। कुछ मामलों में संबंधित लोगों को न्यायालय से स्थगन आदेश मिलने की बात भी सामने आई है। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया कि प्रभावशाली लोगों से जुड़े मामलों में कार्रवाई की गति धीमी पड़ जाती है। हालांकि, ये आरोप याचिकाकर्ता के हैं और प्रशासन का पक्ष सामने आना बाकी है।

बारिश में सर्वे की मांग

याचिकाकर्ता ने कलेक्टर को पत्र देकर बारिश के दौरान बड़े तालाब की वास्तविक जल-सीमा, एफटीएल और कैचमेंट क्षेत्र का वैज्ञानिक सर्वे कराने की मांग की है। उनका तर्क है कि बारिश के समय तालाब का पानी अपने प्राकृतिक विस्तार वाले क्षेत्रों तक पहुंचता है। ऐसे में इसी अवधि में सर्वे कराने पर तालाब की वास्तविक जलधारण सीमा को बेहतर तरीके से चिह्नित किया जा सकता है। उन्होंने पुराने राजस्व और अन्य रिकॉर्ड से मौजूदा स्थिति की तुलना करने की मांग भी की है। साथ ही यह जांच करने को कहा है कि कहीं मिट्टी, मलबा या अन्य सामग्री डालकर तालाब के क्षेत्र को कम तो नहीं किया गया।

एफटीएल के भीतर सडक और निर्माण का आरोप

याचिकाकर्ता ने दावा किया है कि एफटीएल की सीमा के बीच निजी लोगों ने सडक बना रखी है, जो आगे मकानों और फार्महाउस तक जाती है। उनका कहना है कि तालाब की वास्तविक सीमा स्पष्ट होने के बाद ऐसे निर्माण और रास्तों की स्थिति की भी जांच की जा सकती है। इसके लिए स्थायी रूप से सीमा चिह्नित करने की मांग की गई है।

अतिक्रमण के साथ सीवेज का मुद्दा भी

बड़े तालाब को लेकर सिर्फ अतिक्रमण ही नहीं, बल्कि सीवेज और नालों का पानी पहुंचने का मुद्दा भी उठाया गया है। याचिकाकर्ता का कहना है कि तालाब की सीमा में मौजूद अतिक्रमण हटाने के साथ ही उसमें पहुंच रहे नालों और सीवेज को रोकना भी जरूरी है। उनका आरोप है कि अमृत योजना और अन्य परियोजनाओं के तहत काम होने के बावजूद तालाब में सीवेज पहुंचने की समस्या पूरी तरह खत्म नहीं हुई है।

संयुक्त टीम बनाकर सर्वे की मांग

राशिद नूर ने कलेक्टर से मांग की है कि राजस्व, नगर निगम और संबंधित विभागों की संयुक्त टीम बनाकर तालाब का तत्काल सर्वे कराया जाए। उन्होंने सर्वे की प्रक्रिया पारदर्शी रखने और तालाब की वास्तविक सीमा को स्थायी रूप से चिह्नित करने की मांग की है। उन्होंने प्रशासन से 15 दिन के भीतर कार्रवाई की जानकारी देने की मांग भी की है।

कार्रवाई नहीं हुई तो सुप्रीम कोर्ट का रुख

याचिकाकर्ता ने कहा है कि यदि प्रशासन की ओर से अतिक्रमण हटाने और तालाब की वास्तविक सीमा तय करने की दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं होती है, तो वह इस मामले को सुप्रीम कोर्ट तक ले जाने की तैयारी में हैं। अब बड़ा सवाल यही है कि एनजीटी के सात आदेशों के बाद बड़े तालाब से जुड़े चिन्हित अतिक्रमणों पर कार्रवाई कब पूरी होगी और तालाब की वास्तविक जल-सीमा का वैज्ञानिक सीमांकन कब किया जाएगा। बारिश के बीच उठी सर्वे की यह मांग प्रशासन के लिए तालाब संरक्षण और अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई को जमीन पर साबित करने की नई चुनौती बन गई है।

प्रदेशभर में 1164 रूट पर 5206 बसें चलाने की योजना

सितंबर में दौड़ सकती हैं सरकारी बसें

भोपाल । मध्यप्रदेश में सरकारी बस सेवा का इंतजार कर रहे यात्रियों को सितंबर में राहत मिल सकती है। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के तहत दूरस्थ शहरों और जिला मुख्यालयों को जोड? वाले 20 से ज्यादा रूट की टेंडर प्रक्रिया अब अंतिम चरण में पहुंच गई है। परिवहन विभाग के मुताबिक ऑपरेटर चयन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद सितंबर से बसों का संचालन शुरू किए जाने की संभावना है। फिलहाल इंदौर से सागर, जबलपुर, शहडोल, बालाघाट सहित अन्य शहरों के लिए बस ऑपरेटर नियुक्त करने की प्रक्रिया चल रही है। योजना के तहत पहले इंदौर क्षेत्र से बस सेवा शुरू करने की तैयारी है।मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा योजना को मोहन कैबिनेट ने 1 अप्रैल 2025 को मंजूरी दी थी। योजना को पीपीपी मोड पर संचालित करने का फैसला लिया गया था और शुरूआती लक्ष्य के अनुसार 1 अप्रैल 2026 से बसों का संचालन शुरू होना था। हालांकि राज्य स्तरीय कंपनी और सात सहायक क्षेत्रीय कंपनियों के गठन, रूट सर्वे और अन्य प्रशासनिक प्रक्रियाओं में समय लगने के कारण योजना तय समय पर शुरू नहीं हो सकी। इसके बाद जुलाई से संचालन शुरू करने की तैयारी की गई, लेकिन यह लक्ष्य भी पूरा नहीं हो पाया। अब विभाग सितंबर से सेवा शुरू करने की तैयारी में जुटा है।

1164 रूट पर चलेंगी 5206 बसें

योजना को पूरे प्रदेश में लागू करने के लिए मध्यप्रदेश को सात क्षेत्रों–इंदौर, उज्जैन, भोपाल, जबलपुर, सागर, ग्वालियर और रीवा में बांटा गया है। सरकार ने सभी श्रेणियों के लिए कुल 1164 रूट चिन्हित किए हैं। इन पर करीब 5206 बसें चलाने की योजना है। इसका उद्देश्य जिला मुख्यालयों, शहरों और महत्वपूर्ण उपनगरीय क्षेत्रों के बीच सार्वजनिक परिवहन की कनेक्टिविटी मजबूत करना है। खासकर उन शहरों और कस्बों को फायदा मिलने की उम्मीद है, जहां नियमित सार्वजनिक परिवहन के विकल्प सीमित हैं।

इंदौर से होगी शुरूआत

योजना का पहला चरण इंदौर क्षेत्र से शुरू करने की तैयारी है। इंदौर संभाग के सभी जिले इसमें शामिल होंगे। क्षेत्र में 121 नए रूट पर 608 बसें चलाने की योजना है। इसके अलावा इंदौर शहर और आसपास के उपनगरीय क्षेत्रों के लिए 28 सिटी बस रूट निर्धारित किए गए हैं। इन पर कुल 784 बसें चलाने का प्रस्ताव है। इसमें पीएम ई-बस सेवा की 150 बसें भी शामिल हैं। इंदौर से महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान और उत्तर प्रदेश के लिए चलने वाली 101 अंतरराज्यीय बस सेवाओं को भी योजना में शामिल किया गया है। इन मार्गों पर 276 बसें संचालित करने का प्रस्ताव है। इंटरसिटी और अंतरराज्यीय सेवाओं को मिलाकर इंदौर क्षेत्र में कुल 250 मार्गों पर 1688 बसें चलाने की योजना है।

परिवहन व्यवस्था के लिए 1190 पद मंजूर

योजना के संचालन के लिए राज्य स्तर पर एक होल्डिंग कंपनी और सात क्षेत्रीय सहायक कंपनियों का गठन किया गया है। इनके लिए कुल 1190 पद स्वीकृत किए गए हैं। राज्य स्तरीय कंपनी मध्यप्रदेश यात्री परिवहन एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड में आईटी, योजना, अनुबंध, नीति, मानव संसाधन, कानून, अधोसंरचना, प्रवर्तन, गुणवत्ता और बिजनेस डेवलपमेंट जैसे विभाग प्रस्तावित हैं। राज्य स्तरीय कंपनी में 140 और सात क्षेत्रीय कंपनियों में 1050 पद स्वीकृत हैं। इन पदों पर भर्ती की प्रक्रिया भी जारी है।

80 हजार से ज्यादा छात्रों को मिलेंगे लैपटॉप के पैसे

1 सितंबर को खाते में आएंगे 25 हजार

भोपाल । माध्यमिक शिक्षा मंडल की 12वीं परीक्षा में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक हासिल करने वाले करीब 80,180 विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए आर्थिक सहायता दी जाएगी। पात्र विद्यार्थियों के बैंक खातों में 1 सितंबर को 25 हजार की राशि डीबीटी के माध्यम से सीधे ट्रांसफर की जाएगी।मुख्यमंत्री मोहन यादव ने स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों को पात्र विद्यार्थियों के खातों में राशि अंतरित करने के निर्देश दिए हैं। सरकार विद्यार्थियों को लैपटॉप उपलब्ध नहीं कराती, बल्कि लैपटॉप खरीदने के लिए 25 हजार की सहायता राशि सीधे उनके बैंक खाते में जमा करती है।

पहले 85 प्रतिशत अंक पर मिलती थी सहायता

मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए आर्थिक सहायता देने की योजना की शुरूआत वर्ष 2009-10 में हुई थी। शुरूआत में योजना का लाभ लेने के लिए 12वीं में 85 प्रतिशत या उससे अधिक अंक हासिल करना जरूरी था। बाद में सरकार ने पात्रता की सीमा घटाकर 75 प्रतिशत कर दी। इसके बाद 12वीं में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक पाने वाले विद्यार्थी भी इस योजना में शामिल हो गए। इस बदलाव के बाद अधिक संख्या में मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और डिजिटल पढ़ाई के लिए लैपटॉप खरीदने में मदद मिलने लगी है।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक और प्रकाशक शरद पाराशर द्वारा साईं प्रिंटर्स म.नं. 19 शॉप नं. 3 जिंसी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल म.प्र.से मुद्रित करवाकर ए-52 कस्तूरबा नगर भोपाल से प्रकाशित।
संपादक- शरद पाराशर मो.9425023929, समाचार सम्पादक :-सेजल दीक्षित (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)